www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 338 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
07 मार्च 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:25
सूर्यास्तः 06:10
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 07

विशेष समाचार | नारी शक्ति का नया युग ... >> पेज 04 | अविमुक्तेश्वरानंद ने किया... >> पेज 06 | कृति को क्रिटिसाइज ...

केंद्र पर भड़की कांग्रेस, बोली- कबतक चलेगा अमेरिकी ब्लैकमेल

राहुल गांधी ने कहा, "आज जो हम देख रहे हैं, वह कोई नीति नहीं है. यह एक समझौता कर चुके व्यक्ति के शोषण का परिणाम है"

'समझौता कर चुके व्यक्ति के शोषण का परिणाम'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा, हमारी विदेश नीति हमारे इतिहास, हमारी भौगोलिक स्थिति और हमारे मूल्यों के आधार पर तय होना चाहिए. ये सत्य और अहिंसा पर आधारित होनी चाहिए. उन्होंने कहा, आज जो हम देख रहे हैं, वह कोई नीति नहीं है. यह एक समझौता कर चुके व्यक्ति के शोषण का परिणाम है. राहुल गांधी ने लोकसभा में 11 फ़रवरी को दिए अपने भाषण को शेयर करते हुए ये बात कही. उस दिन राहुल गांधी ने कहा था, अमेरिका हमें बताएगा कि हम किससे तेल ख़रीदें और किस से नहीं।

अमेरिका से 30 दिन की छूट पर भड़की कांग्रेस

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट करके लिखा है, 'ट्रंप का नया खेल, दिल्ली दोस्त को कहा, पुतिन से ले सकते हो तेल, कबतक चलेगा ये अमेरिकी ब्लैकमेल।' वहीं कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने तो इसे देश की संप्रभुता तक से जोड़ दिया है। उन्होंने भी एक्स पर अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के बयान के जवाब में लिखा है '30 दिन की छूट जारी करना, दबाव की पाखंडी भाषा, नव-साम्राज्यवादी अहंकार से भरा है....क्या हम बनाना रिपब्लिक हैं, जो हमें अपने लिए तेल खरीदने के लिए अमेरिकी अनुमति की जरूरत है? वैसे ज्यादा बोलने वाली सरकार की चुप्पी कुछ अधिक है। क्या इसे नहीं पता कि संप्रभुता का मतलब क्या है?'

ईरान जंग के कारण अमेरिका ने 3 अप्रैल तक रियायत दी, क्रूड ऑयल की कीमत 89 डॉलर के पार

रूस से तेल खरीद सकेगा भारत

छूट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का संकट फिलहाल खत्म हो गया है, क्योंकि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है। ये लाइसेंस 3 अप्रैल तक वैलिड रहेगा। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने 6 मार्च को बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। इस बीच ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत आज 4% बढ़कर 89.18 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद इसका उच्चतम स्तर है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' ने तेल खरीद के लिए ये लाइसेंस जारी किया है। इसके तहत 5 मार्च तक जहाजों पर लोड हो चुके रूसी कच्चे तेल की ही डिलीवरी भारत को की जा सकेगी। यानी, जो जहां पहले से समुद्र में है उनसे सप्लाई होगी।

> मिडिल-ईस्ट युद्ध के कारण कच्चा तेल 89 डॉलर के पार चला गया

अमेरिका से भी तेल खरीद बढ़ने की उम्मीद

बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह 30 दिनों की छूट दे रहे हैं। उन्होंने कहा- हमें ये उम्मीद है कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा। अमेरिका का मानना है इस उपाय से ग्लोबल मार्केट में तेल की कमी नहीं होगी।

भारत में विपक्षी पार्टियों ने मोदी सरकार पर निशाना साधा

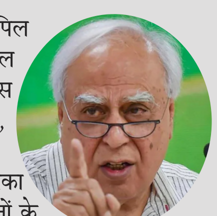

कपिल सिब्बल ने एक्स पर लिखा, भारत- लोकतंत्र की जननी. अमेरिका भारत को 30 दिनों के लिए तेल ख़रीदने की अनुमति दे रहा है. हमारा आत्मनिर्भर भारत. हमारी स्वतंत्र विदेश नीति.

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इसे भारत के लिए 'शर्मनाक' स्थिति बताया।

होर्मुज में रुकावट का तेल-गैस सप्लाई पर असर : राजनाथ

ईरान संघर्ष के असर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज या पूरा फारस की खाड़ी वाला इलाका दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जब इस क्षेत्र में कोई बाधा या रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की सप्लाई पर पड़ता है.। ये अनिश्चितताएं सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मौजूदा स्थिति काफी जटिल हो गई है और ऐसा लगता है कि भविष्य में यह और भी ज्यादा अस्थिर हो जाएगी। जिस तरह से अलग-अलग देश जमीन, हवा, समुद्र और अब अंतरिक्ष में भी एक-दूसरे के साथ मुकाबला कर रहे हैं, वह हम सभी के लिए वास्तव में चिंता का विषय है।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपीएससी सिविल सर्विस 2025 फाइनल रिजल्ट जारी

अनुज अग्निहोत्री टॉपर

परिणाम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। UPSC ने सिविल सर्विस एग्जाम 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रावतभाटा के अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया टॉप किया है। 958 कैंडिडेट्स अलग-अलग सर्विसेज के लिए चयनित हुए हैं। पूरा रिजल्ट ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in पर उपलब्ध है।

जारी रिजल्ट में कुल 180 कैंडिडेट्स IAS के लिए चयनित हुए हैं। IFS के लिए 55 कैंडिडेट्स का चयन हुआ है। वहीं, 150 IPS चुने गए हैं। पंचकूला के रहने वाले एकांश ढुल ने तीसरी रैंक हासिल की है। एकांश ढुल परिवार के साथ सेक्टर 12A में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी मां निर्मला स्कूल प्रिंसिपल हैं। पिता कृष्ण ढुल भाजपा नेता हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहले भी 2 बार यूपीएससी क्लियर कर चुके हैं डॉ. अनुज

अनुज पहले भी 2 बार UPSC एग्जाम क्लियर कर चुके हैं। UPSC 2023 में पहले प्रयास में उन्हें दिल्ली में SDM के पद पर नियुक्ति मिली थी। अनुज के पिता केबी अग्निहोत्री राजस्थान परमाणु बिजलीघर में काम करते हैं। मां मंजू अग्निहोत्री गृहिणी हैं। अनुज ने रावतभाटा परमाणु ऊर्जा केंद्रीय स्कूल से पढ़ाई की है। 12वीं में उनके 94 प्रतिशत नंबर आए थे। अनुज को टेबल टेनिस खेलना पसंद हैं।

यूपीएससी 2026 टॉपर्स

यूपीएससी रिजल्ट्स में लखनऊ का दबदबा

विमल कुमार 107वीं रैंक पर, डाक विभाग के अधिकारी को मिली 347वीं रैंक

गूगल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर को 402वीं रैंक

लखनऊ के पीयूष कपूर ने 402वीं रैंक हासिल की है। पीयूष 10 साल से अमेरिका (USA) में गूगल में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्यरत हैं। पीयूष ने बताया- गूगल में सीनियर लीडरशिप रोल निभाते हुए तैयारी के लिए समय निकालना बड़ी चुनौती थी। मैंने टाइम जोन के अंतर को अपनी ताकत बनाया। मैंने अपनी पूरी तैयारी को एक 'डेटा-ड्रिवन' प्रोजेक्ट की तरह मैनेज किया। सिलिकॉन वैली से प्रशासन की ओर एक सफल ग्लोबल करियर के बाद भी मेरे मन में हमेशा देश के लिए कुछ करने की इच्छा थी। इस सफर में मेरे पिता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी (से.नि.) अरुण कपूर और मां रुचि कपूर के साथ बड़े भाई आयुष कपूर मेरी ताकत और प्रेरणास्रोत रहे हैं। उन्हीं के प्रोत्साहन की वजह से मैं आज इस मुकाम पर पहुंच पाया हूं।

फास्ट न्यूज

असम में वायुसेना का सुखोई फाइटर जेट क्रैश

नई दिल्ली । असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में ट्रेनिंग के दौरान रडार से गायब हुआ भारतीय वायु सेना का सुखोई Su-30MKI फाइटर जेट क्रैश हो गया है। हादसे में दोनों पायलट स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पूर्वेश दुरागकर की भी मौत हो गई है।

युद्ध तनाव

रायसीना डायलॉग, ईरानी उप-विदेश मंत्री बोले- आखिरी गोली तक लड़ेंगे

नई दिल्ली । दिल्ली में चल रहे रायसीना डायलॉग 2026 में शुक्रवार को ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा- तेहरान के पास अमेरिकी-इजराइली हमले के खिलाफ देश की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। हमने कसम खाई है कि देश आखिरी गोली और आखिरी सैनिक तक विरोध करेगा।

उन्होंने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान में नेतृत्व बदलने की बात करते हैं, जबकि वे अपने ही देश में न्यूयॉर्क के मेयर तक नियुक्त नहीं कर सकते। यह एक तरह का औपनिवेशिक नजरिया है।

'लोग केरल स्टोरी-2 नहीं देख रहे, ये अच्छी खबर'

इडुक्की। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि फिल्म केरल स्टोरी-2: गोज बियॉन्ड को ज्यादा लोग नहीं देख रहे हैं और यह अच्छी खबर है। उन्होंने कहा कि फिल्मों, टीवी और मीडिया का इस्तेमाल तेजी से प्रोपेगैंडा के रूप में किया जा रहा है।

बच्चों के सोशल मीडिया यूज पर कर्नाटक लगाएगा बैन

ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगाने का ऐलान किया। कर्नाटक ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है। सीएम सिद्धारमैया ने बजट भाषण के दौरान कहा कि बच्चों में मोबाइल और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उन पर गलत असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, इस बैन को किस तरह लागू किया जाएगा, इसकी तैयारी चल रही है और जल्द ही नियम बनाए जाएंगे। वहीं आंध्र प्रदेश सरकार भी 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री CM एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को विधानसभा में इसकी जानकारी दी। सिद्धारमैया ने कहा कि स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बच्चों के स्वास्थ्य, उनके व्यक्तित्व और उनके भविष्य को बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

> पैरेंट्स की परमिशन जरूरी आंध्र में भी तैयारी

>> (शेष पेज 06 पर)

अपने गढ़ में मिल रही हार, बालेन शाह की पार्टी आरएसपी 110 सीटों पर आगे

नेपाल चुनाव : भारत विरोधी ओली 10 हजार वोटों से पीछे

मतगणना

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू । नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 165 सीटों पर शुरुआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 3 सीटें जीतने के साथ 110 सीटों पर आगे चल रही है। RSP पार्टी 2022 में बनी थी।

वहीं गगन थापा की पार्टी नेपाली कांग्रेस ने दो सीटें जीत ली है, जबकि 11 सीटों पर आगे है। वहीं केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल भी 11 सीटों पर आगे है। केपी ओली खुद भी झापा-5 सीट पर बालेन शाह से 10,643 वोटों से पीछे चल रहे हैं। ओली ने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का चुनाव जीता था।

>> (शेष पेज 06 पर)

बालेन शाह- रैपर से काठमांडू मेयर बने, अब पीएम बनने के करीब

काठमांडू के मेयर बनने से पहले बालेंद्र शाह, जिन्हें लोग बालेन के नाम से जानते हैं, नेपाल के अंडरग्राउंड हिप-हॉप सीन में दिखते थे। कभी छतों पर रैप बैटल करते, तो कभी म्यूजिक वीडियो बनाते। उनके गानों में गरीबी, पिछड़ापन और भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाए जाते थे।

इन्हीं गीतों ने उन्हें युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय बना दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

> झापा-5 सीट पर बालेन शाह ने मजबूत बढ़त बना ली है। उन्हें अब तक 10,466 वोट मिले हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। चल रही मतगणना में शाह, पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली से आगे चल रहे हैं। ओली को अब तक 2,205 वोट मिले हैं।

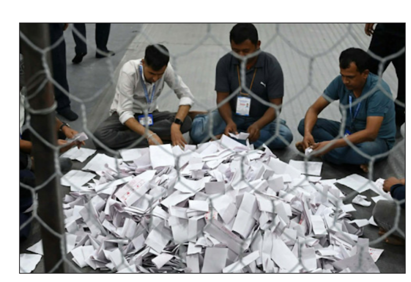

ओली से बहुत आगे निकले बालेन शाह

झापा-5 सीट पर राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (RSP) के उम्मीदवार बालेन शाह बड़ी बढ़त के साथ आगे चल रहे हैं। अब तक 15,740 वोटों की गिनती हो चुकी है। इसमें केपी शर्मा ओली को 2,205 वोट मिले हैं, जबकि बालेन शाह को 10,466 वोट मिले हैं। यानी शाह, ओली से लगभग पांच गुना ज्यादा वोटों के साथ आगे हैं। अन्य उम्मीदवारों में कांग्रेस की मंधारा चिमारिया को 297 वोट मिले हैं। एनसीपी के रणजीत तमांग को 222 वोट मिले हैं। श्रम संस्कृति पार्टी के समीर तमांग को 1,357 वोट मिले हैं।

कार्यक्रम : लोकभवन से रवाना किया, कहा- 2017 के बाद यूपी दंगा-कर्फ्यू मुक्त हुआ

सीएम योगी ने 50 क्यूआरटी वाहनों को दिखाई हरी झंडी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक और कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ के लोक भवन से 50 क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) बाइक्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के माध्यम से आपात स्थितियों में पुलिस की प्रतिक्रिया और भी तेज होगी। घटनास्थल पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश को दंगा-ग्रस्त और कर्फ्यू-ग्रस्त राज्य के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। सरकार और पुलिस के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहतर हुई है। 2017 के बाद प्रदेश दंगा-कर्फ्यू से मुक्त हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)

कानून व्यवस्था को लेकर सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई और बेहतर समन्वय के लिए क्यूआरटी वाहनों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सरकार का लक्ष्य है कि किसी भी घटना की सूचना मिलने के बाद कम से कम समय में पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और आमजन को सुरक्षा का भरोसा मिल सके।

> मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से 2022 के बीच यूपी पुलिस ने जिस तरह काम किया, उससे एक समय अराजकता, दंगों और कर्फ्यू के लिए पहचाने जाने वाले राज्य की छवि बदलकर 'सेफ यूपी' के रूप में सामने आई है।

बंगाल एसआईआर : ममता कोलकाता में धरने पर बैठीं

मतदाता सूची से मनमाने तरीके से नाम हटाए जा रहे

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में वोटर रोल से नाम हटाने के खिलाफ धरना शुरू किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पोस्ट-SIR प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से मनमाने तरीके से नाम हटाए जा रहे हैं। कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर शुरू हुए इस विरोध के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि BJP और चुनाव आयोग बंगाली मतदाताओं को वोट देने से रोकने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस साजिश को बेनकाब करेंगी। TMC प्रमुख ने आरोप लगाया कि संशोधित वोटर सूची में कई मतदाताओं को गलत तरीके से मृत घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वे धरना स्थल पर लाकर दिखाएंगी, जिन्हें चुनाव आयोग ने मृतक के रूप में दर्ज कर दिया है।

> चुनाव आयोग ने जिन वोटर को मृत बताया, मैं उन्हें सामने लाऊंगी
> - ममता बनर्जी

>> (शेष पेज 06 पर)

6 करोड़ का सरसों का तेल जब्त, खाने से हो सकती है दिल की बीमारी

बिक रहा मिलावटी तेल 38 कंपनियों को नोटिस

मिलावट

तमसा संकेत, एजेंसी

हरिशंकर ने बताया- एफएसडीए ने जिन 58 यूनिट की जांच की, उनमें से 38 यूनिट में कमियां पाई गईं। इन्हें नोटिस देकर सुधार करने को कहा गया है। सुधार न होने पर इनके लाइसेंस निलंबित किए जाएंगे।

लखनऊ । यूपी में खाने के तेल में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। सरसों के तेल में घटिया तेल मिलाया जा रहा है। रंग और झाग के लिए केमिकल मिलाकर बनाया और बेचा जा रहा। इसका खुलासा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग (FSDA) की कार्रवाई में हुआ है। FSDA की जांच के दौरान कुछ चौंकाने वाले खुलासे हुए। उन्नाव और मुजफ्फर-नगर में FIR दर्ज की गई है। 38 तेल कंपनियों और फर्मों को नोटिस जारी किया गया है।

यूपी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की आयुक्त रोशन जैकब ने होली और रमजान को लेकर पूरे प्रदेश में खाने की सामग्री को लेकर एक बड़ा अभियान चलाया। पहले पानी और फिर तेल का कारोबार करने वाली यूनिटों की जांच की गई। इसमें बड़े पैमाने पर खामियां पाई गईं।

जांच के दौरान जो मामले आए सामने, उनमें सस्ता पाम ऑयल या राइस ब्रान मिलाकर सरसों, सोयाबीन तेल के नाम पर बेचना शामिल है। साथ ही केमिकल कलर, आर्टिफिशियल फ्लेवर और आर्गेमोन ऑयल डालकर तेल को शुद्ध दिखाना, एक्सपायर्ड या गंदे तेल को नए लेबल चिपकाकर बाजार में उतारना और नकली ब्रांडिंग कर घटिया तेल को महंगे दाम पर बेचना भी शामिल है। मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में काव्या ट्रेडिंग कंपनी से 11,750 लीटर सरसों तेल जब्त किया गया और FIR दर्ज की गई। इसी तरह उन्नाव के बांगरमऊ में 3,855 लीटर तेल जब्त करने के बाद संचालन बंद करा दिया। बड़े पैमाने पर मिलावट पाए जाने पर FIR भी दर्ज की गई है। गोरखपुर के सहजनवा क्षेत्र में जीआरएल एडिबल प्राइवेट लिमिटेड के कारखाने और गोदाम पर छापे मार कर 24 लाख का तेल पकड़ा गया।

नाम सरसों का, बेच रहे राइस ब्रान ऑयल

हरिशंकर सिंह ने बताया- सरसों का तेल महंगा आता है। कंपनियां अपने फायदे के लिए राइस ब्रान ऑयल (चावल की भूसी का तेल) बेच रही थीं। इसके लिए तेल की बोतल पर लगे फैक्ट्स को भी छिपाया गया था। इसी तरह पाम ऑयल (ताड़ का तेल) को राइस ऑयल बताकर बेचा जा रहा था। उन्नाव और मुजफ्फरनगर में तेल में रंग और एसेंस का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन दोनों जगहों पर लाइसेंस को निलंबित करते हुए स्थानीय थाने पर कंपनी के मालिकों के खिलाफ FIR दर्ज कराई गई है।

दूसरे जिलों की टीमों से कराई गई जांच

संयुक्त खाद्य आयुक्त हरिशंकर सिंह ने बताया- कमिश्नर रोशन जैकब के निर्देश पर बड़े पैमाने पर अभियान चलाया गया। इसके लिए एक जिले की टीम को दूसरे जिलों में भेज कर जांच कराई गई। कुल 66 यूनिट पर FSDA की टीम पहुंची, जिनमें से 8 बंद मिलीं। 58 पर कार्रवाई की गई, जहां से 231 सैंपल कलेक्ट किए गए। 4 लाख 32 हजार लीटर तेल जब्त किया गया, जिसकी वैल्यू साढ़े 6 करोड़ रुपए है।

उद्घाटन से पहले ग्रीन कॉरिडोर की हरियाली सूखी

लाखों खर्च हुए सजावट पर, लोग बोले- कोई न कभी पानी डालता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में गोमतीन-गर से निशातगंज होते हुए हनुमान सेतु तक बन रहे ग्रीन कॉरिडोर को शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की बड़ी परियोजना बताया जा रहा है, लेकिन इसके उद्घाटन से पहले ही इसकी साज-सज्जा पर सवाल खड़े हो गए हैं।

कॉरिडोर को सुंदर बनाने के लिए सड़क के बीच डिवाइडर में बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए थे, जिन पर लाखों रुपये खर्च किए गए। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि इनमें से अधिकतर पौधे अब पूरी तरह सूख चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पौधे लगाए तो गए, लेकिन उनकी देखभाल या सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

हनुमान मंदिर के पास फल का ठेला लगाकर रोजी-रोटी चलाने वाले राजेंद्र बताते हैं कि वह पिछले करीब 25 सालों से इसी सड़क किनारे ठेला लगा रहे हैं। उनके मुताबिक करीब दस दिन पहले यहां पौधे लगाए गए थे, लेकिन उसके बाद किसी को उनकी देखभाल करते नहीं देखा गया।

करीब 4-5 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर

गोमतीनगर के समतामूलक चौराहे से निशातगंज होते हुए हनुमान सेतु तक बनने वाला यह ग्रीन कॉरिडोर करीब 4 से 5 किलोमीटर लंबा है। अधिकारियों के मुताबिक इसके शुरू होने के बाद गोमतीनगर से हनुमान सेतु की दूरी महज पांच मिनट में तय की जा सकेगी। इससे रोजाना एक लाख से अधिक लोगों को फायदा मिलने का दावा किया जा रहा है। गोमतीनगर, विभूतिखंड, विराटखंड, विनयखंड, निशातगंज, डालीगंज, हजरतगंज और हनुमान सेतु क्षेत्र के लोगों को इससे सीधे तौर पर राहत मिलने की उम्मीद है। निर्माण के अंतिम चरण के काम पूरे होने के बाद जल्द ही इसका लोकार्पण किए जाने की तैयारी की जा रही है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में प्लंबर ने सुसाइड किया

लखनऊ । लखनऊ के फैजुल्लागंज इलाके में प्लम्बर ने घर के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी। शाम करीब पांच बजे उसने पंखे से साड़ी के सहारे फंदा लगा लिया। उस समय घर में कोई नहीं था। बच्चे कोचिंग पढ़ने गए थे। सबसे पहले बेटे ने पिता को फंदे से लटका देखा और शोर मचा दिया।

फैजुल्लागंज टाइल्स फैक्ट्री क्षेत्र में रहने वाले महेंद्र शर्मा (36) मूल रूप से सीतापुर के रहने वाले थे।

लखनऊ में अगले जुमे होगा बड़ा प्रदर्शन

लखनऊ । ईरान पर हुए हमले को लेकर लखनऊ में अगले जुमे बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। आसिफी मस्जिद में जुमे की नमाज के बाद शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा की। उन्होंने ईरान की सलामती और शांति के लिए दुआ कराई। चेतावनी दी है कि यदि ये हमले जारी रहे तो हम यहां से अपनी आवाज बुलंद करेंगे। 6 मार्च की नमाज के दौरान बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे और मस्जिद परिसर में सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया। कल्बे जव्वाद के अनुसार, 13 मार्च की नमाज के बाद लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

क्लीनर की संदिग्ध हालत में मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक ट्रक क्लीनर संदिग्ध हालत में मृत पाया गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान कानपुर के सजेती घाटमपुर थाना क्षेत्र के खानपुर गांव निवासी 32 वर्षीय अमित कुमार के रूप में हुई है।

डॉक्टरों ने जिस महिला को मृत बताया, वो जिंदा निकली

लखनऊ के अस्पताल में हंगामा, डेथ सर्टिफिकेट पर साइन करा लिया था

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । लखनऊ के एक प्राइवेट अस्पताल में महिला की मौत पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि डॉक्टरों ने डिलीवरी के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। परिजनों से डेथ सर्टिफिकेट पर साइन भी करा लिया था। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू किया तो ICU से महिला को जिंदा बाहर निकाला गया। हालत गंभीर होने पर उसे पहले बलरामपुर अस्पताल फिर वहां से KGMU रेफर किया गया। हालांकि, करीब 6 घंटे बाद महिला को बचाया नहीं जा सका। घटना पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना स्थित कृष्णा लाइफ लाइन हॉस्पिटल की है। महिला की

चांदनी, मृतक

पहचान इस्माइलनगर, नगराम निवासी आशु रावत की पत्नी चांदनी कुमारी (22) के रूप में हुई। गुरुवार को चांदनी ने कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में ऑपरेशन के बाद बेटे को जन्म दिया था। आज, शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे उसकी KGMU में मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, चांदनी कुमारी को गुरुवार सुबह प्रसव पीड़ा हुई। डिलीवरी के लिए दोपहर करीब 12 बजे उसे कृष्णा लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शाम करीब 7 बजे उसने ऑपरेशन से बेटे को जन्म दिया। उसके बाद डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए ICU में शिफ्ट कर दिया।

हंगामा करने पर जिंदा मिली महिला

महिला की मौत की खबर सुनकर परिजनों ने हंगामा शुरु कर दिया। इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। हॉस्पिटल प्रबंधन से महिला को दिखाने के लिए कहा। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। हंगामा बढ़ता देखकर हॉस्पिटल प्रबंधन ने महिला को ICU से बाहर निकाला तो उसकी सांसें चल रही थीं।

कागजों का बंडल उठाकर ले गई टीम, खंगाले डॉक्यूमेंट, सहारा प्रबंधन के लोग रहे मौजूद

सहारा शहर में ईडी की रेड

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के सहारा शहर में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने रेड मारी है। जमीनों के बैनामे और उनसे जुड़ी सभी संपत्तियों की डिटेल खंगालने के बाद अपने साथ इलेक्ट्रॉनिक डाटा और बंडलों में दस्तावेज को टीम साथ ले गई है। सहारा की तरफ से सहारा शहर में देश भर की संपत्तियों से जुड़े हुए डॉक्यूमेंट गोमतीनगर स्थित कैंपस में रखे हुए थे। सुबह करीब 11 बजे टीम परिसर में पहुंची। इसके बाद करीब 4 घंटे तक जांच पड़ताल हुई। इसमें सहारा के एचआर ऑफिस, हाउसिंग और सहाराश्री सुब्रत रॉय के ऑफिस पर जांच पड़ताल की। ईडी ने 26 फरवरी को कोलकाता आंचलिक कार्यालय की टीम ने ओडिशा के बहरामपुर व भुवनेश्वर, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर और कर्नाटक के बेल्लारी स्थित परिसरों में तलाशी अभियान चलाया था।

समूह से जुड़े लोगों की बढ़ रहीं मुश्किलें

समूह के संपत्तियों को बेचा जा रहा है। इसी को लेकर सहारा समूह से जुड़े लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसका खुलासा ओडिशा समेत तीन राज्यों में ईडी की कार्रवाई से हुआ है। अंदेशा है कि और भी प्रदेशों की संपत्तियों को बेचा जा रहा है या फिर बेचने की कोशिश हो रही है। इसी के तहत टीम लखनऊ में जांच करने पहुंची थी। इसमें ईडी देशभर की संपत्तियों को लिस्ट कर जांच में जुटी है।

नगर निगम से अनुमति मिलने के बाद टीम गई अंदर

लीज डीड की शर्तों का उल्लंघन करने के बाद नगर निगम की टीम ने सहारा शहर को 6 अक्टूबर को सील कर दिया था। इसके बाद से यह जमीन नगर निगम के कब्जे में है। यहां पर नगर निगम की ईटीएफ फोर्स सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात है।

शुक्रवार को टीम के पहुंचने के समय नगर निगम के संपत्ति विभाग से जुड़े हुए अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। इसके बाद यह लोगों को अपने साथ में अंदर लेकर गए, जिसके बाद में जांच-पड़ताल हुई। फिलहाल, नगर निगम के अधिकारी टीम के आने की बात से संबंधित कोई जानकारी देने से बच रहे हैं।

टीम को सबसे अधिक डॉक्यूमेंट एचआर ऑफिस पर मिले हैं। यहां पर जांच-पड़ताल के बाद टीम उन डॉक्यूमेंट अपने साथ में ले गई। दो गाड़ियों के साथ में ईडी के करीब 4 अधिकारी आए हुए थे। सहारा प्रबंधन से जुड़े हुए दो लोग भी टीम के साथ में मौजूद थे। इन लोगों से पूछताछ के आधार पर टीम जांच-पड़ताल कर रही थी। इस दौरान नगर निगम की टीम भी मौजूद रही।

सपा प्रमुख ने कहा हिंद महासागर तक तनाव बढ़ना गंभीर मामला

अमेरिकी इजराइली हमलों पर चुप्पी चिंताजनक : अखिलेश

तनाव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अमेरिकी-इजराइली हमलों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भारत की सीमाओं के करीब और हिंद महासागर तक पहुंचते सैन्य तनाव को लेकर सरकार की चुप्पी देशवासियों के लिए चिंता का विषय है। सपा प्रमुख ने कहा कि इतने गंभीर अंतरराष्ट्रीय हालात के बावजूद भाजपा सरकार की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने सवाल उठाया कि

सरकार को देश के सामने स्पष्ट करना चाहिए अपना रुख

सरकार की इस चुप्पी को क्या माना जाए— साधारण चुप्पी या किसी दबाव और भय की वजह से 'घिग्घी बंध जाना'। उन्होंने कहा कि जनता जानना चाहती है कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि सरकार इस मुद्दे पर बोलने से बच रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह केवल किसी एक देश का नहीं बल्कि वैश्विक महत्व का विषय है। ऐसे में केंद्र सरकार, विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी बनती है कि वे देश के सामने स्थिति स्पष्ट करें और भारत का आधिकारिक रुख बताएं। उन्होंने कहा कि कई दिनों की प्रतीक्षा के बाद भी जब सरकार की ओर से कोई बयान नहीं आया, तब विपक्ष को मजबूर होकर इस विषय पर अपनी बात रखनी पड़ रही है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान हालात में केंद्र सरकार को आगे आकर देश की जल, थल और वायु सीमाओं की सुरक्षा को लेकर स्पष्ट भरोसा देना चाहिए। उनका कहना था कि जब सरकार बोल ही नहीं रही है तो लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर वह करेगी क्या। इसी कारण जनता में असमंजस और चिंता का माहौल बन रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अपनी नाकामियों से ध्यान हटाने के लिए अस्पष्ट नीति अपनाती है, ताकि लोग असली मुद्दों के बजाय अटकलों में उलझे रहें। उन्होंने कहा कि संभावना है कि आगामी संसद सत्र में भी भाजपा ऐसे विवादित मुद्दे उठाएगी, जिससे सरकार की विफलताओं पर चर्चा ही न हो सके।

अखिलेश यादव ने कहा कि मौजूदा हालात में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि देश में सरकार नाम की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं बची है। उनके अनुसार यह समय देश के लिए "सरकार-शून्यता" जैसा महसूस हो रहा है, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

होली के हुड़दंग में 70 लोगों की आंखें जख्मी हुईं

5 मरीजों के कॉर्निया पर सीधा असर, करानी पड़ सकती है सर्जरी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर में होली के हुड़दंग के चलते घायल और चोटिल होकर पहुंचने वाले मरीजों की तादाद काफी ज्यादा रही। इनमें करीब 70 मरीज ऐसे रहे जिन्हें रंग खेलने के दौरान अचानक आंख में परेशानी हो गई।

आंख से दिखाई देना बंद हो गया, जिसके चलते उन्हें भर्ती तक कराना पड़ा। हालांकि, राहत की बात ये रही कि इलाज शुरू करते ही उन्हें राहत मिली। दरअसल, होली की सुबह से ही सड़कों पर हुड़दंग और लापरवाही का माहौल देखने को मिला। ऐसे में लखनऊ के KGMU ट्रॉमा सेंटर, बलरामपुर, सिविल, लोहिया, राम सागर मिश्र, लोकबंधु और निजी अस्पतालों की इमरजेंसी

में घायलों की लंबी कतार लग गई।

कई लोगों के चेहरे और आंख पर गहरी चोटें आई हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश आंख की समस्या लेकर पहुंचे लोगों को अचानक दिखना बंद हो गया और रंग के चलते उनकी आंख भी खुलनी बंद हो गई। कुछ ऐसे लोग भी रहे जो तेज रफ्तार में बाइक दौड़ाने के बाद जब चोटिल हुए तो आंख भी जख्मी कर बैठे। हालांकि, राहत की बात ये रही कि इनमें कोई ऐसा नहीं रहा जिसकी आंख की रोशनी पूरी तरह प्रभावित हो गई।

आंख में रंग जाने से भर्ती करना पड़ा

KGMU ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेमराज सिंह ने बताया कि होली में 24 घंटे में कुल 248 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। करीब 70 आंखों के मरीज ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। इनमें से कई लोगों की आंख रंग के चलते खराब होने की नौबत भी आ गई। कुछ मरीजों को गंभीर हालत के चलते भर्ती करना पड़ा। डॉ. प्रेम राज सिंह ने बताया कि रंग-गुलाल उड़ाते समय धूल के महीन कण आंखों में चले जाने से संक्रमण और जलन की समस्या बढ़ी है।

फटकार : लिफ्ट खराब होने से सीढ़ियां चढ़ने पर फूली सांस, लखनऊ मेयर ने अफसरों को फटकारा

नगर निगम के समाधान दिवस में महिला की तबीयत बिगड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के समाधान दिवस में महिला फरियादी की तबीयत बिगड़ गई। लिफ्ट खराब होने के कारण वह सीढ़ियां चढ़कर सेकंड फ्लोर पर आयोजित समाधान दिवस में पहुंची थीं। सांस फूलने की वजह से वह हॉल में ही बैठ गई। उसे कुर्सी पर बैठाकर नीचे उतारा गया।

90 साल की बुजुर्ग महिला भी सीढ़ियां चढ़कर ऊपर पहुंची। इस पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि आप लोगों की मानवता खत्म हो चुकी है क्या?

समाधान दिवस में मेयर सुषमा

खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कुछ फरियादियों ने समस्या का समाधान न होने पर नाराजगी जाहिर की। 60 साल के बुर्जुग ने कहा- 8 बार चक्कर लगा चुका हूं। समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। जान दे दूं क्या?

स्टेशन रोड निवासी 60 वर्षीय अशोक कुमार भार्गव ने अपनी समस्या सुनाई। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर उनकी दुकान 2021 से 2025 तक बंद थी। 2003 से 2013 तक भी दुकान बंद थी। इस दौरान हाउस टैक्स माफ किया गया था, लेकिन अब नहीं हो रहा है।

हम ऐसे ही परेशान हैं। अब दुकान खुली तो टैक्स लगा दिया है। डेढ़ लाख रुपए टैक्स लगा दिया गया है। अब आख्या तैयार हो गई है, तो अधिकारी दस्तखत नहीं कर रहे हैं। हार्ट का मरीज हूं। बायपास सर्जरी हो चुकी है। 12 फाइल हमारे मामले की बन चुकी है। इसका गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होना चाहिए। एक फाइल खो भी गई है। नगर निगम से इसका मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

सीढ़ियां चढ़ने की वजह से राम दुलारी की तबीयत खराब हो गई। उन्हें कुर्सी पर बैठाकर नीचे लाया गया।

सीढ़ियां चढ़ने से महिला की तबीयत बिगड़ी

वजीरगंज की रहने वाली राम दुलारी का कहना है कि 15 हजार हाउस टैक्स आया है। इसके कारण परेशानी हो रही। उन्होंने कहा कि लिफ्ट खराब थी। सीढ़ियां चढ़कर ऊपर गई। इससे सांस फूलने लगी। तबीयत खराब हो गई। ईटीएफ बल के कर्मचारी कुर्सी पर बैठाकर सीढ़ियों से लेकर नीचे पहुंचे। कुछ देर बाद उनकी तबीयत ठीक हुई।

90 साल की बुजुर्ग सीढ़ियों से सेकंड फ्लोर पर पहुंची

दरियापुर, तालकटोरा निवासी विशुना (90) सीढ़ियों से सेकंड फ्लोर पर पहुंचीं। मेयर ने अफसरों को उनकी समस्या दूर करने का निर्देश दिया। दरअसल, उनका एक कमरे का मकान है, जिसका तीन साल से हाउस टैक्स नहीं जमा हुआ है। उनका बिल कुल 972 रुपए आया है।

ऑटो चालक का पार्क के पास मिला शव

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरा नगर के सेक्टर-14 स्थित पार्क में ऑटो चालक का शव संदिग्ध हालात में मिला। शरीर पर चोट के निशान हैं। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंदिरा नगर मुंशी पुलिया निवासी राजेश सोनकर (61) ऑटो चालक थे। उनकी पत्नी सुषमा ने बताया कि राजेश गुरुवार सुबह घर से किसी काम की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। शुक्रवार को सेक्टर-14 के एक पार्क में उनका शव पड़ा मिला। परिजनों का कहना है कि राजेश की हत्या कर शव पार्क में फेंका गया है। बताया जा रहा है कि वह शराब के आदी थे। शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि घटना की सच्चाई सामने आ सके।

राजधानी में 186 करोड़ से संवर रहीं सड़कों पर कब्जा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में भी नगर निगम 186 करोड़ रुपए की लागत से मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (सीएम ग्रिड) योजना के तहत सड़कों को संवार रहा है। हालांकि, यहां निर्माण से लेकर रखरखाव तक में लापरवाही बरती जा रही है। निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों और पर्यावरण संरक्षण के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। कुछ जगहों पर सड़क-फुटपाथ निर्माण के बाद निजी अस्पताल और दुकानों का अतिक्रमण हो गया है। सीएम ग्रीड के तहत बनी सड़क-फुटपाथ को पार्किंग स्थल बना दिया गया है। यह हालत गोमतीनगर के विभूति खंड से लेकर कपूरथला तक है। लखनऊ के विभूतिखंड इलाके में सड़क किनारे बैरियर लगाने और धूल को रोकने के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। निर्माण के दौरान बाहर निकली सरिया के ऊपर टिन शेड रख उठा है। गहरे बने गड्ढों के लिए कोई सुरक्षा के उपाय नहीं है।

वाहनों की आवाजाही भी लगातार जारी है। लोग पैदल भी आवाजाही करते हैं। रात के समय में सड़क पर अंधेरा भी रहता है। हादसे का डर बना हुआ है। सड़क पर खुले में पड़ी मिट्टी और बालू लगातार उड़ता रहता है। पूरे निर्माण क्षेत्र में धूल रोकने के कोई इंतजाम नहीं हैं। न ही नेट लगाई गई है, न ही नियमित तरीके से पानी का छिड़काव किया जाता है।

कपूरथला में प्राइवेट हॉस्पिटल ने बना ली पार्किंग, विभूति खंड में उड़ रही धूल

पुरु दुबे बने 86वीं रैंक के साथ आईएएस, विपिनदेव यादव ने हासिल की 316वीं रैंक

जिले के दो युवाओं ने रचा इतिहास

गर्व

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकर नगर। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की सिविल सेवा परीक्षा में अम्बेडकर नगर जिले के दो युवाओं ने उल्लेखनीय सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। महरुआ बाजार निवासी पुरु दुबे ने 86वीं रैंक प्राप्त कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में स्थान बनाया है, जबकि हंसवर थाना क्षेत्र के एकडल्ला गांव निवासी विपिनदेव यादव ने 316वीं रैंक हासिल की है। दोनों की सफलता से जिले में खुशी का माहौल है और लोगों में उत्साह देखा जा रहा है।

विपिनदेव यादव की सफलता की खबर मिलते ही एकडल्ला गांव में उत्सव जैसा माहौल बन गया। गांव और आसपास के क्षेत्रों से लोग उन्हें बधाई देने पहुंच रहे हैं। परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उनकी उपलब्धि को पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया।

स्थानीय लोगों और शुभचिंतकों ने पुरु दुबे को बधाई देते हुए उनकी उपलब्धि को जिले के लिए गौरवपूर्ण बताया। हंसवर थाना क्षेत्र के एकडल्ला गांव निवासी विपिनदेव यादव ने भी यूपीएससी परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में 316वीं रैंक हासिल की है। यह उनकी चौथी कोशिश थी।

विपिनदेव यादव चौकीदार राजाराम यादव के पुत्र हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने लगातार तैयारी जारी रखी और अंततः सफलता प्राप्त की।

उनकी प्रारंभिक शिक्षा और इंटर-मीडिएट की पढ़ाई एसएसबी इंटर कॉलेज अयोध्या से हुई। इसके बाद उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा प्रयागराज में पूरी की और वहीं से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी जारी रखी।

तीसरे प्रयास में पुरु दुबे ने हासिल की सफलता

महरुआ बाजार निवासी पुरु दुबे ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 86वीं रैंक प्राप्त कर आईएएस बनने का गौरव हासिल किया है। यह उनकी तीसरी कोशिश थी। लगातार प्रयास और तैयारी के बाद उन्हें यह सफलता मिली। पुरु दुबे के पिता संजय दुबे पेशे से शिक्षक हैं। पारिवारिक माहौल में शिक्षा को विशेष महत्व मिलने के कारण पुरु दुबे ने शुरू से ही पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। उनकी सफलता की खबर मिलते ही महरुआ बाजार और आसपास के क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ गई।

पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

किसी भी बैंक शाखा में 15 दिन से अधिक लंबित नहीं रहेगा आवेदन : जिलाधिकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों एवं बैंकों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने विभागवार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष संतोषजनक प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह योजना आमजन को सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने की एक महत्वपूर्ण योजना है, इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने विशेष रूप

से बैंकों में लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि किसी भी बैंक शाखा में कोई भी आवेदन अधिकतम 15 दिन से अधिक लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि सभी लंबित आवेदनों का निर्धारित समयावधि के भीतर अनिवार्य रूप से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिन बैंक शाखाओं में अधिक संख्या में आवेदन लंबित पाए गए हैं, उन्हें चिन्हित कर संबंधित शाखा प्रबंधकों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने से उपभोक्ताओं को प्रतिमाह बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आती है तथा अतिरिक्त उत्पादित बिजली को ग्रिड में देकर आय भी प्राप्त की जा सकती है। इससे न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी तथा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्मिकों के साथ-साथ आमजन को भी योजना के प्रति जागरूक करें तथा अधिक से अधिक लोगों को अपने घरों की छतों पर सोलर संयंत्र स्थापित कराने हेतु प्रेरित करें।

फास्ट न्यूज

संदिग्ध चेकिंग के दौरान अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

अम्बेडकरनगर । थाना अलीगंज पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।

छाछू मोहल्ला में स्वर्ण व्यवसायी की चेन गिरने से मचा हड़कंप

अम्बेडकरनगर । जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के छाछू मोहल्ले में शुक्रवार शाम करीब 4 बजे एक स्वर्ण व्यवसायी की सोने की चेन गिरने से हड़कंप मच गया। शुरुआती तौर पर लोगों को लगा कि चेन चोरी हो गई, लेकिन बाद में वह सड़क किनारे ही मिली, जिससे पुलिस और व्यवसायी दोनों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार छाछू मोहल्ला निवासी सुरेंद्र सोनी अपनी दुकान से एक ग्राहक की सोने की चेन साफ कराने के लिए सड़क पार कर दूसरी दुकान की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात साइकिल सवार उनसे टकरा गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरःकई लोग पहुंचे

अंबेडकरनगर । जलालपुर क्षेत्र के बड़ेपुर में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर शुक्रवार को संवेदना मेडिकल सेंटर, बड़ेपुर (पंचायत भवन के सामने) में आयोजित हुआ। इसमें क्षेत्र के काफी लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। आयोजकों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था।

रेलवे पुलिस को मिली सफलता, चोरी के मामले में फरार वारंटी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । रेलवे पुलिस ने चोरी और लूट से जुड़े एक मामले में फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जीआरपी अकबरपुर की टीम ने उसे उसके पैतृक गांव से पकड़कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दुर्गेश कुमार गौड़ (35) पुत्र कालीदीन गौड़, निवासी मुरीदपुर अटवाई थाना अहिरौली जनपद अम्बेडकरनगर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। यह कार्रवाई वाद संख्या 1754/17 और मुकदमा अपराध संख्या 08/17 धारा 379 और 411 भारतीय दंड संहिता से संबंधित है। रेलवे पुलिस के मुताबिक दुर्गेश कुमार गौड़ लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था और फरार चल रहा था। इसके चलते उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया गया था। पुलिस लगातार उसकी तलाश में

मुरीदपुर अटवाई से पकड़ा गया अभियुक्त, न्यायालय के वारंट पर हुई कार्रवाई

लगी हुई थी। यह गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक रेलवे लखनऊ के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। अभियान का उद्देश्य ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर होने वाली चोरी, लूट और जहरखुरानी जैसी घटनाओं की रोकथाम करना है। इसके साथ ही इनामिया, वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी भी अभियान का हिस्सा है। पुलिस उपाधीक्षक रेलवे के निर्देशन में जीआरपी अकबरपुर की टीम ने यह कार्रवाई की।

भाजपा नेता विवेक मौर्य का दो दिवसीय दौरा

होली मिलन समारोह में कार्यकर्ताओं के साथ खेली होली

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । भारतीय जनता पार्टी के नेता विवेक मौर्य दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। मंगलवार देर शाम अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होली मिलन समारोह में उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ शिरकत की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए, जहां पारंपरिक अंदाज में होली खेली गई।

अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान समर्थकों ने विवेक मौर्य का स्वागत करते हुए उन्हें गुलाल लगाया। कार्यक्रम स्थल

पर होली के पारंपरिक गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान विवेक मौर्य ने भी उपस्थित समर्थकों के साथ रंग-गुलाल खेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। इस दौरान समर्थकों के साथ उन्होंने मंच के सामने आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच सहभागिता की। विवेक मौर्य को अकबरपुर क्षेत्र में उभरते हुए युवा चेहरों में माना जाता है।

संगठनात्मक गतिविधियों के लिहाज से अहम कार्यक्रम

राजनीतिक जानकारों के अनुसार, विधानसभा चुनाव से पहले ऐसे कार्यक्रमों को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। होली मिलन समारोह के माध्यम से कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच संवाद का अवसर मिलता है और संगठन की सक्रियता भी दिखाई देती है। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने आगामी समय में क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को और तेज करने पर चर्चा की। समारोह में स्थानीय स्तर के कई कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री रविंद्र नाथ तिवारी की 92वीं जयंती पर याद किए गए विकास कार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । समाजवादी विचारक और पूर्व मंत्री रविंद्र नाथ तिवारी की 92वीं जयंती पर उनके योगदान और विकास कार्यों को याद किया गया। कटेहरी विधानसभा क्षेत्र में किए गए उनके विकास कार्यों और जनसरोकार से जुड़े निर्णयों को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा हुई। इस अवसर पर उनके सामाजिक और राजनीतिक जीवन को भी स्मरण किया गया। रविंद्र नाथ तिवारी को समाजवादी विचारधारा से जुड़े नेता के रूप में जाना जाता रहा। उन्होंने क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता दी। भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाने के लिए उन्होंने "इंगित करो आंदोलन" की शुरुआत की थी, जिसे उस समय व्यापक समर्थन मिला था। इसके साथ ही अपराध और अपराधियों के खिलाफ मुखर रुख अपनाने तथा राजनीति के अपराधीकरण का विरोध करने को लेकर भी उनकी

कटेहरी क्षेत्र में पुल, सड़क और सिंचाई परियोजनाओं को दिया नया आयाम

पहचान बनी। कटेहरी क्षेत्र में उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण पुल और सड़कों का निर्माण कराया गया। इनमें मिझौड़ा का पुल, मड़हा नदी पर बसोहरी पुल, गोशाईगंज-भीटी मार्ग पर मड़हा नदी का पुल और नारायणपुर घाट का पुल शामिल हैं। इसके अलावा बाला पैकौली और श्रवण क्षेत्र में लकड़ी के पुल का निर्माण कराया गया, जबकि शेरवाघाट पर पीपे का पुल बनवाया गया।

गुटबाजी और लॉबिंग के चलते अंतिम निर्णय टला, कई दावेदार मैदान में

भाजपा जिलाध्यक्ष को लेकर सस्पेंस बरकरार

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि अम्बेडकरनगर में भाजपा के भीतर लंबे समय से गुटबाजी की स्थिति बनी हुई है। पिछले संगठनात्मक बदलावों के दौरान भी जिलाध्यक्ष के चयन को लेकर विवाद सामने आया था। इस बार भी वही स्थिति दोहराई जाती दिखाई दे रही है।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक चुनावों की प्रक्रिया तेज हो गई है, लेकिन जिले में जिलाध्यक्ष के नाम को लेकर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। गुटबाजी और आपसी खींचतान के कारण पार्टी नेतृत्व किसी एक नाम पर सहमति नहीं बना पा रहा है। इसी वजह से जिलाध्यक्ष की नियुक्ति फिलहाल अधर में लटकी हुई है।

प्रदेश के कई जिलों में संगठनात्मक प्रक्रिया के तहत जिलाध्यक्षों के नाम लगभग तय हो चुके हैं, लेकिन अम्बेडकरनगर में मामला अभी भी लंबित है। पार्टी के भीतर कई नेता जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में बताए जा रहे हैं। हर गुट अपने समर्थित चेहरे को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय है,

जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया जटिल हो गई है।

सूत्रों के अनुसार जिले में दो से तीन प्रमुख गुट सक्रिय हैं, जो अपने-अपने नेताओं के समर्थन में लखनऊ तक संपर्क और लॉबिंग कर रहे हैं। इन गुटों के बीच संतुलन बनाए रखना पार्टी नेतृत्व के लिए चुनौती बना हुआ है। यही कारण है कि संगठन के शीर्ष स्तर पर भी अंतिम फैसला लेने में समय लग रहा है।

बताया जा रहा है कि कई दावेदारों ने अपने समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन भी किया है। इससे संगठन के भीतर प्रतिस्पर्धा और अधिक बढ़ गई है। अलग-अलग गुटों की सक्रियता के कारण मामला और उलझता जा रहा है। पार्टी नेतृत्व की प्राथमिकता संगठन को मजबूत करना और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को गति देना है। इसी उद्देश्य से प्रदेश स्तर पर जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज की गई है। हालांकि अम्बेडकरनगर में स्थानीय समीकरणों के कारण फैसला अभी लंबित है। पार्टी से जुड़े एक वरिष्ठ नेता ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि जिलाध्यक्ष के चयन में सभी गुटों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है। संगठन की एकजुटता बनाए रखने के लिए नेतृत्व जल्दबाजी में फैसला लेने से बच रहा है। फिलहाल जिले में जिलाध्यक्ष की कुर्सी को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नेता अब प्रदेश नेतृत्व के फैसले का इंतजार कर रहे हैं कि अंततः किस नाम पर अंतिम मुहर लगती है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिले में होगी अस्मिता लीग

बी.एन. इंटर कॉलेज अकबरपुर में 8 मार्च को एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को अम्बेडकरनगर में अस्मिता लीग का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में मेरा युवा भारत, साईं, खेलो इंडिया और खेल विभाग के समन्वय से आयोजित होगा। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की खेलों में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना तथा फिटनेस और खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम के तहत अकबरपुर स्थित बी.एन. इंटर कॉलेज परिसर में सुबह 9 बजे से एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। प्रतियोगिताओं में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ के

साथ अन्य मनोरंजक खेल गतिविधियां भी शामिल की गई हैं। प्रतियोगिताएं तीन आयु वर्गों में आयोजित की जाएंगी, जिनमें 13 वर्ष से कम, 13 से 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की प्रतिभागी शामिल हो सकेंगी।

आयोजन ASMITA पहल के अंतर्गत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य खेलों के माध्यम से महिलाओं को प्रोत्साहित करना और जमीनी स्तर पर खेल गतिविधियों को मजबूत बनाना है। प्रतियोगिताओं का तकनीकी संचालन अधिकृत प्रतियोगिता प्रबंधकों और खेल अधिकारियों की देखरेख में कराया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण माय भारत पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। पंजीकरण के दौरान प्रतिभागियों के लिए आयु सत्यापन अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता पूरी तरह निःशुल्क है और किसी भी आयु वर्ग की महिलाएं व बालिकाएं इसमें भाग ले सकती हैं। प्रत्येक स्पर्धा और आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को पदक प्रदान किए जाएंगे।

पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य बोतल या ड्रम में बिक्री पर रोक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जनपद में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। प्रशासन ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश जारी करते हुए बोतल, पीपा या ड्रम में डीजल-पेट्रोल की बिक्री पर सख्त रोक लगा दी है। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जिला पूर्ति अधिकारी शिवकांत पांडेय ने जिले के सभी डीजल और पेट्रोल पंप मालिकों को निर्देशित किया है कि वे ग्राहकों को केवल वाहनों में ही ईंधन उपलब्ध कराएं। किसी भी स्थिति में बोतल, पीपा या ड्रम जैसे बर्तनों में ईंधन की बिक्री न की जाए। उन्होंने कहा कि इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना सभी पंप संचालकों के लिए अनिवार्य होगा।

प्रशासन के अनुसार यह कदम जिले में ईंधन की सुचारु आपूर्ति

जिला प्रशासन के निर्देशः अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

बनाए रखने और जमाखोरी या अनावश्यक भंडारण की संभावना को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ स्थानों पर ईंधन की कमी को लेकर फैलने वाली अफवाहों से बचाव के लिए भी यह निर्णय लिया गया है, ताकि आम लोगों में किसी प्रकार की घबराहट न फैले।

जिला पूर्ति अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति नियमित रूप से हो रही है और किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है।

जांच : मोबाइल कॉल के बाद घर से निकले थे सुरेंद्र मांझी, फावड़े से वार कर की गई थी हत्या

टांडा में लकड़ी व्यवसायी की हत्या का मामला उलझा

पुलिस के अनुसार इस मामले में अरविंद प्रजापति का करीबी साथी चंदू घटना के बाद से फरार है। जांच टीम उसे इस हत्याकांड की महत्वपूर्ण कड़ी मान रही है। उसकी तलाश में पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । टांडा कोतवाली क्षेत्र में लकड़ी व्यवसायी सुरेंद्र मांझी की हत्या का मामला 48 घंटे बाद भी

उलझा हुआ है। पुलिस अभी तक इस वारदात के आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है, जबकि पुलिस लगातार जांच में जुटी है। यह वारदात 3 मार्च की रात जनार्दनपुर गांव के पास हुई थी। पुलिस के अनुसार सुरेंद्र मांझी को किसी व्यक्ति का फोन आया था, जिसके बाद वह घर से बाहर निकल गए थे। कुछ ही देर बाद गांव के पास पहले से घात लगाए हमलावरों ने उन पर फावड़े से ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार घटना से कुछ समय पहले सुरेंद्र मांझी के मोबाइल पर अरविंद प्रजापति का फोन आया था। फोन पर बातचीत के बाद ही वह घर से बाहर गए थे। शुरुआती जांच में पुलिस ने अरविंद प्रजापति को मामले की अहम कड़ी मानते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी थी।

इसी बीच अरविंद प्रजापति की संदिग्ध परिस्थितियों में जहर से मौत हो गई। उसकी मौत के बाद पूरा मामला और अधिक उलझ गया है। इस घटनाक्रम के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं और हत्या की वजह को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

जांच के लिए तीन टीमें गठित

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जांच के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। इनमें सर्विलांस, स्वाट और एसओजी की टीम शामिल हैं। ये टीमें तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाकर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं।

हालांकि घटना के दो दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है। टांडा कोतवाली के एसएचओ दीपक रघुवंशी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और फरार संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा और आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

प्राथमिक विद्यालय टिकरी के छात्र आयुष कुमार ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। शिक्षा क्षेत्र जलालपुर के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय टिकरी के छात्र आयुष कुमार ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आयुष कुमार का चयन प्रतिष्ठित विद्याज्ञान विद्यालय में अंतिम रूप से हो गया है। इस सफलता के बाद विद्यालय और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

आयुष कुमार इससे पहले आयोजित स्पेल बी प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। प्रतियोगिता के जनपद स्तर पर उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। इस उपलब्धि के बाद से ही उनकी शैक्षणिक क्षमता और मेहनत की चर्चा क्षेत्र में हो रही थी। अब विद्याज्ञान विद्यालय में चयन ने उनकी प्रतिभा को एक नया मंच प्रदान किया है।

विद्याज्ञान विद्यालय देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में गिना

जाता है, जहां चयन प्रक्रिया काफी प्रतिस्पर्धी और कठिन मानी जाती है। ऐसे संस्थान में चयन होना किसी भी विद्यार्थी के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। आयुष कुमार ने अपनी लगन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से यह सफलता प्राप्त की है। प्राथमिक विद्यालय टिकरी के प्रधानाध्यापक जगदीश विश्वकर्मा के अनुसार आयुष प्रारंभ से ही पढ़ाई में तेज, अनुशासित और जिज्ञासु प्रवृत्ति का छात्र रहा है। कक्षा में उसकी सक्रियता और सीखने की उत्सुकता हमेशा स्पष्ट दिखाई देती रही है।

सम्पादकीय

नीतीश के बिना बिहार

बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ऐसे अनुमान लगाए जा रहे थे कि दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल शायद ही पूरा करें, लेकिन इसकी संभावना कम ही थी कि वह पांच माह के अंदर ही बिहार की कमान छोड़कर राज्यसभा जाने का फैसला ले लेंगे, लेकिन अंततः ऐसा ही होने जा रहा है। राज्यसभा के लिए उन्होंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है और अब इसकी प्रतीक्षा हो रही है कि उनकी जगह मुख्यमंत्री पद कौन संभालेगा? फिलहाल यह प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या राज्य की कमान जनता दल-यू के किसी नेता के हाथ होगी या फिर भाजपा के पास? अधिक संभावना यही है कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के पास आए और उप मुख्यमंत्री पद जनता दल-यू के हाथ, लेकिन इस बारे में अभी कुछ कहना कठिन है कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार राजनीति में प्रवेश कर नई सरकार में कोई भूमिका निभाएंगे या नहीं? जो स्पष्ट है, वह यही कि मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार की लंबी पारी का अंत होने जा रहा है। यह एक तरह से एक युग का समापन है। नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने के पीछे यह तर्क दिया कि उनकी इच्छा संसद के उच्च सदन जाने की थी, लेकिन इसमें कोई बहुत दम नहीं दिखता, क्योंकि यह स्वाभाविक नहीं जान पड़ता कि कोई मुख्यमंत्री और अपने दल का सर्वेसर्वा राज्य की बागडोर छोड़कर राज्यसभा में सेवाएं देने का फैसला करे। यह संभव है कि नीतीश कुमार ने स्वास्थ्यगत कारणों से मुख्यमंत्री पद छोड़ने का फैसला किया हो। यदि उनके मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने के वास्तव में यही मूल कारण है तो उनकी प्रशंसा करनी होगी, क्योंकि आज के युग में ऐसे नेता दुर्लभ हैं, जो कमजोर स्वास्थ्य के कारण इतने बड़े पद का त्याग करने का निर्णय लें। उनके राज्यसभा जाने की बात सामने आते ही विपक्षी दलों की ओर यह जो शोर मचाया जा रहा है कि आखिरकार भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के लिए बाध्य किया, वह अतिरंजित ही है, क्योंकि वे कोई सामान्य नेता नहीं। यह ठीक है कि विधानसभा में भाजपा सबसे बड़ा दल है, लेकिन संख्याबल के मामले में जद-यू की उससे चार सीटें ही कम हैं। यह भी ध्यान रहे कि जद-यू पिछली विधानसभा के मुकाबले कहीं अधिक बेहतर स्थिति में है। ऐसे में ऐसे किसी आकलन को सही नहीं कहा जा सकता कि भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर किया। नीतीश कुमार राज्यसभा अवश्य जा रहे हैं, लेकिन बीते लगभग 20 वर्षों के अपने शासनकाल में वे जिस तरह बिहार को तमाम समस्याओं से उबारकर पटरी पर लाए, उसे देखते हुए उनके उत्तराधिकारी के सामने राज्य को तेजी से आगे ले जाने की चुनौती होगी।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

> जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए।

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भवः' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के

अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे। नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया।

जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है।

ललित गर्ग

89 सीटें जीतकर भाजपा...

राजेश श्रीवास्तव

बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम के वक्त ही लिख ली गयी थी नीतीश को हटाने की पटकथा

पूरा देश जब होली मना रहा था तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भाजपा ने सियासत में एक ऐसा रंग घोला कि बिहार की पूरी सियासत ही बेरंग हो गयी। जब होली के दिन इस बात की खबर उड़ी कि नीतीश कुमार राज्यसभा जा सकते हैं तो शायद किसी को यकीन नहीं हो रहा था । मीडियाकर्मी भी इसे बहुत गंभीरता से नहीं ले रहे थे लेकिन जब गुरुवार सुबह नीतीश कुमार का एक्स पर ट्वीट आया तो खबर पक्की हो गयी लेकिन इसके साथ ही कई चर्चाओं ने भी जन्म ले लिया। क्या ये सब कुछ अचानक हो गया या फिर नवंबर 2०25 में ही इसकी पटकथा लिखी जा चुकी थी जब बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम आये थे । बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद इस बात की चर्चा बहुत तेजी से पैर पसार रही थी जब कम सीटें होने के बावजूद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी गयी और भाजपा ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाये लेकिन हमारे नेता नीतीश कुमार ही होंगे। तभी ये साफ हो गया था कि इसमें कुछ न कुछ तो खेल हो रहा है और यह भी तय था कि नीतीश कुमार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पायेंगे लेकिन इतनी जल्दी हो जायेगा, यह किसी को यकीन नहीं था। क्योंकि आधुनिक भाजपा का यह चाल-चरित्र और चेहरा रहा है कि वह सहयोगी दलों को बहुत देर तक बर्दाश्त नहीं करती, वह भी तब जब वह 'अपर हैंड' हो । ऐसा एक नहीं 6-7 राज्यों में अब तक हो चुका है। चाहे महाराष्ट्र हो, या अन्य राज्य जबकि पश्चिम बंगाल, झारखंड, पंजाब ऐसे राज्य हैं जहां अभी तक भाजपा अपनी इस सियासत को दोहरा

नहीं पायी है। सियासी गलियारों में फैले सूत्रों की मानें तो जब बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम आये तभी नीतीश कुमार और भाजपा में यह डील हो गयी थी कि आप तीन महीने सत्ता संभालिये बाद में आप केंद्र में आ जाइयेगा और बिहार में भाजपा का सीएम हो जायेगा। कम सीटें आने के चलते नीतीश कुमार ने यह स्वीकार कर लिया था। और इसी डील के चलते नीतीश कुमार ने गुरुवार सुबह ही खुद ट्वीट किया कि वह राज्यसभा जाना चाहते हैं। उन्होने लिखा कि उनकी एक इच्छा थी कि वह राज्यसभा भी जायें आज उनकी यह इच्छा पूरी हो रही है। अब भला कौन पत्रकार होगा जो नीतीश कुमार के इस स्वघोष पर ऐतबार करेगा क्योंकि देश के इतिहास में आज तक कोई ऐसा सिटिंग मुख्मयंत्री नहीं हुआ जो अपना पद अपनी मर्जी से छोड़कर राज्यसभा जाना चाहता हो, वह भी तब जब नीतीश कुमार 21 साल पहले ही केंद्र में कैबिनेट मंत्री रहते हुए कृषि महकमे जैसा अहम पद संभाल चुके हैं। इसीलिए नीतीश कुमार का यह बयान लिखा कहीं और गया है उसे केवल नीतीश कुमार ने अपने अकांउट से पोस्ट भर किया है। लेकिन यह साफ है कि बिहार में भाजपा की राह आसान नहीं होगी क्योंकि बिहार में जनता ने नीतीश कुमार को बहुमत दिया था। वह मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार को देखना चाहती है। बिहार की राजनीति में एक बड़े युग का समापन होने जा रहा है। महज 1०5 दिन पहले 1०वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार का बिहार की सत्ता छोड़ना राज्य में पीढ़ीगत बदलाव का अंतिम चरण है। उनके इस फैसले ने न केवल जदयू के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी- भाजपा के लिए बिहार की राजनीति के समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के नामांकन की बात कहने के साथ ही यह तय हो गया है कि राज्य में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। बीते नवंबर राज्य में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत के साथ जीत मिली थी। 89 सीटें जीतकर भाजपा विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इसके बाद भी चुनाव पूर्व किए वादे के मुताबिक, राज्य की बागडोर 85 सीटें जीतने वाले जदयू के नीतीश कुमार के हाथ में आई। नीतीश के सत्ता संभालने के महज 1०5 दिन बाद यह तय हो गया है कि बिहार में नीतीश राज का अंत होने जा रहा है। इसके साथ ही इस बात की भी संभावना जताई जा रही है कि राज्य में पहली बार भाजपा अपना मुख्यमंत्री बना सकती है। इसीलिए नीतीश कुमार का यह बयान लिखा कहीं और गया है उसे केवल नीतीश कुमार ने अपने अकांउट से पोस्ट भर किया है। लेकिन यह साफ है कि बिहार में भाजपा की राह आसान नहीं होगी क्योंकि बिहार में जनता ने नीतीश कुमार को बहुमत दिया था।

तेल की कीमतों...

सौरभ वार्ष्णेय

छह दिन की जंग में इजरायल -अमेरिका - ईरान लड़ाई में कौन मजबूत ?

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहा बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। बीते छह दिनों में हालात इतने तेजी से बदले हैं कि खाड़ी क्षेत्र के कई देश भी इसकी चपेट में आ गए हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस अल्प समय में इन देशों को कितना नुकसान हुआ और आगे इसका असर कितना व्यापक हो सकता है। सबसे पहले यदि इजरायल की बात करें तो उसे सुरक्षा और आर्थिक दोनों स्तरों पर भारी दबाव का सामना करना पड़ा है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण कई सैन्य ठिकानों और नागरिक इलाकों को नुकसान पहुंचा है। युद्ध के माहौल ने पर्यटन, व्यापार और निवेश को भी प्रभावित किया है। इजरायल को अपने रक्षा तंत्र को लगातार सक्रिय रखना पड़ रहा है, जिससे उसकी आर्थिक लागत तेजी से बढ़ रही है। दूसरी ओर ईरान भी इस संघर्ष में आर्थिक और सैन्य दबाव झेल रहा है। पहले से ही अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहे ईरान के लिए युद्ध जैसी स्थिति उसकी अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। तेल निर्यात, व्यापारिक मार्ग और आंतरिक सुरक्षा पर दबाव बढ़ा है। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो ईरान की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो सकती है। अमेरिका इस संघर्ष में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में शामिल है। पश्चिम एशिया में अपने सैन्य ठिकानों की सुरक्षा और सहयोगी देशों की रक्षा के लिए उसे भारी सैन्य संसाधन लगाने पड़ रहे हैं। इससे न केवल रक्षा खर्च बढ़ रहा है बल्कि वैश्विक कूटनीतिक दबाव भी

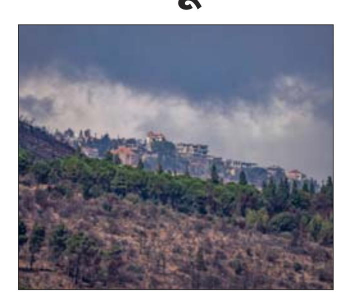

अमेरिका पर बढ़ रहा है। अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह इस संघर्ष को नियंत्रित रखे ताकि यह व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में न बदल जाए। खाड़ी देशों जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर पर भी इस संकट का असर स्पष्ट दिख रहा है। इन देशों की अर्थव्यवस्था तेल और व्यापार पर निर्भर है, इसलिए क्षेत्र में अस्थिरता से निवेश और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने वैश्विक बाजारों को भी अस्थिर किया है। साथ ही सुरक्षा जोखिम बढने से इन देशों को अपने रक्षा इंतजाम मजबूत करने पड़ रहे हैं। दरअसल, इस संघर्ष का सबसे बड़ा नुकसान केवल इन देशों तक सीमित नहीं है। वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर भी इसका असर पड़ रहा है। तेल और सोने जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेजी, शेयर बाजारों में अस्थिरता और वैश्विक कूटनीतिक तनाव इस बात का संकेत हैं कि यह संकट व्यापक रूप ले सकता है। अंततः यह स्पष्ट है कि छह दिनों का यह टकराव ही सभी पक्षों के लिए महंगा साबित हो रहा है। यदि समय रहते कूटनीतिक प्रयास नहीं किए गए तो यह संघर्ष लंबा खिंच सकता है।

तीसरे विश्व युद्ध की आहट

इतिहास हमें बहुत कुछ बताता और समझाता है। इतिहास को सही से पढ़ा और समझा जाए तो किसी भी व्यक्ति और देश को उससे सीख लेकर गलती को दोहराना नहीं चाहिए। यदि कोई दोहराता है तो उसे सीधे शब्दों में अज्ञानी और मूर्ख कहा जा सकता है। दो विश्व युद्धों के इतिहास को पढ़ा जाए जिससे हमें वर्तमान में हो रहे इस भयानक विश्व युद्ध के सभी पक्ष वैसे ही दिखाई दे जाते हैं जो पहले दो विश्व युद्धों के हैं। 28 जून,1914 को साराजेवो में ऑस्ट्रिया-हंगरी सिंहासन के उत्तराधिकारी आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की हत्या हुई। यही हत्या प्रथम विश्व युद्ध का तात्कालिक सबसे बड़ा कारण बनी। इस हत्या को बोस्नियाई सर्ब राष्ट्रवादी गैवरिलो प्रिंसिप ने अंजाम दिया था। गैवरिलो प्रिंसिप 'यंग बोस्निया' नामक समूह से जुड़ा राष्ट्रवादी माना जाता है। आर्कड्यूक की हत्या के बाद ऑस्ट्रिया-हंगरी ने सर्बिया पर युद्ध की घोषणा कर दी और देखते ही देखते यह वैश्विक संघर्ष में बदल गया। 1914 से 1918 के बीच चले इस विनाशकारी युद्ध में विश्व के लगभग सभी देश प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ गए। वर्तमान युद्ध की स्थिति पर नजर दौड़ाकर देखें तो हमें पता चलता है कि 28 फरवरी, 2026 को ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उसके पूरे परिवार की हत्या तेहरान के नजदीक इजरायल-अमेरिका द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से कर दी गई। विचार करें तो यह हमले उच्च पदस्थ ईरानी अधिकारियों को निशाना बनाकर किए गए थे।

★ **डॉ. नीरज भारद्वाज**

जरा हटके

ईरान के बड़े...

रामस्वरूप रावतसरे

कभी पर्शिया कहलाने वाला देश ईरान कैसे बना !

ईरान एक बार फिर से दुनियाभर में चर्चा में है, जिसके पीछे की वजह से इजरायल-अमेरिका के साथ चल रही इसकी जंग है। राजधानी तेहरान समेत देश के कई प्रमुख शहरों में बमबारी हुई है, जिसमें सुप्रीम लीडर आयातुल्लाह अली खामेनेई की भी मौत हो गई है। इस युद्ध में अभी तक सैकड़ों लोगों के मारे जाने का समाचार है। यह युद्ध कितना लम्बा चलेगा और इसमें कितने जानमाल का नुकसान होगा कुछ कहा नहीं जा सकता लेकिन जो हालात बने है, उसे लेकर पूरा विश्व सहम सा गया है। जानकारों के अनुसार ईरान का इतिहास काफी दिलचस्प है। यहां कई हजार सालों से अलग-अलग राजवंशों का राज रहा है, जिन्होंने यहां वर्चस्व के लिए खूब सारी जंगें लड़ी हैं। सबसे ज्यादा दिलचस्प इतिहास तो इस देश के नाम से जुड़ा हुआ है। कभी ईरान को पर्शिया के तौर पर जाना जाता था, फिर 20वीं सदी में इसका नाम बदल दिया गया। ईरान के इतिहास की शुरुआत इसके दक्षिणी-पश्चिमी हिस्से से होती है, जहां आज से करीब 5000 साल पहले 3000 ईसा पूर्व में एलामाइट्स ने एक राज्य की स्थापना की। इसके बाद 2000 ईसा पूर्व के अंत तक ''मीड्स'' और ''पर्शियन'' नामक इंडो-यूरोपीय जनजातियों ने मॉडर्न ईरान की असली नींव रखी। सैकड़ों सालों तक ईरान के बड़े हिस्से पर अलग-अलग जनजातियों का राज रहा। इतिहास के अनुसार फिर 550-330 ई.पू. के बीच

हखामनी साम्राज्य का आगमन हुआ है, जिसने पहले फारसी साम्राज्य की नींव रखी। इसे अचमेनिद साम्राज्य के तौर पर जाना जाता है। हखामनी साम्राज्य के ''साइरस द ग्रेट'' (कुरुश महान) ने अपने साम्राज्य को उस वक्त में दुनिया का सबसे बड़ा साम्राज्य का रूप दे दिया था। इसका अंदाजा कुछ यूं लगाया जा सकता है कि हखामनी साम्राज्य की सीमाएं भारत से लेकर ग्रीस तक फैली हुई थीं। इसकी सरहदें मिस्र से जाकर भी लगती थीं। बताया जाता है कि इसी दौर में यहां पर ग्रीक लेखकों का आना शुरू हुआ, जो यहां की संस्कृति को समझना चाहते थे। उन्होंने ही पहली बार अपनी किताबों में इस इलाके को पर्शिया कहना शुरू किया। इस तरह इन लेखकों के लौटने के साथ ही पश्चिमी मुल्कों में ये इलाका पर्शिया के तौर पर प्रसिद्ध हो गया। इतिहास के अनुसार सिकंदर महान की जीत के बाद इस इलाके में सेल्युकॉड साम्राज्य का भी राज रहा। फिर सासानियन साम्राज्य आया है, जिसने ईरानी संस्कृति और पहचान को जिंदा किया। ये वही दौर था, जब ''जरथुस्त्रवाद'' को राजधर्म बनाया गया। इसके बाद अरबों को 7वीं शताब्दी में इस इलाके में जीत मिली और इस्लाम यहां आया। उसने ''जरथुस्त्रवाद'' की जगह ले ली। अरबी का इस्तेमाल बढ़ गया। फिर भी लोग फारसी भाषा और संस्कृति से जुड़े हुए थे। फिर यहां सफवी राजवंश का दौर आया, जिसने शिया इस्लाम को राजधर्म बना दिया। इसके बाद काजर राजवंश और अंत में 20वीं सदी में पहलवी राजवंश सत्ता में आया। ईरान के बड़े भू-भाग पर राज करने वाले राजाओं के दौर में ये इलाका पर्शिया ही कहलाता रहा, इसकी वजह ग्रीक लेखकों की किताबें थीं। यहां रहने वाले लोग पर्शियन कहलाते थे। ग्रीक लेखकों ने ये नाम इसलिए दिया था, क्योंकि यहां पार्स नाम का एक इलाका था, जो हखामनी साम्राज्य का केंद्र था। ग्रीक लोगों ने इसी आधार पर अपनी किताब में इस पूरे इलाके को पर्शिया कहा था। हालांकि, फिर 91 साल पहले 1935 में इस देश का इतिहास ही बदल गया, जब इसका नाम पर्शिया से ईरान कर दिया गया। जानकारों के अनुसार यहां की बड़ी आबादी अपने देश को ईरान ही कहते आई थी। ईरान शब्द प्राचीन फारसी शब्द ''आर्यानाम'' से आया है, जिसका मतलब होता है, ''आर्यों की भूमि''। ''आर्य'' शब्द का इस्तेमाल इंडो-ईरानी लोग अपनी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के लिए करते थे। 1935 में पहलवी वंश के संस्थापक रजा शाह पहलवी ने तुर्की के कमाल अतातुर्क के पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण से प्रभावित होकर अपने देश का नाम बदलकर पर्शिया से ईरान कर दिया। रजा शाह का मानना था कि नाम बदलने से उनके देश में रहने वाले अलग-अलग जनजातियों के लोग एक झंडे के नीचे आ जाएंगे। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि वह औपनिवेशिक प्रभाव से आजादी चाहते थे, क्योंकि उनका मानना था कि ये नाम तो पश्चिमी मुल्कों से मिला है। साथ ही रजा शाह का मकसद दुनिया को एक नया, आधुनिक और प्रगतिशील ईरान से परिचय करवाना था। यहां गौर करने वाली बात ये है कि पर्शिया तो सिर्फ यहां के एक प्रांत का नाम था, जबकि ईरान पूरे देश का नाम था। रजा शाह ने ईरान को देश का आधिकारिक नाम बनाने के लिए 1935 में सभी विदेशी दूतावासों को चिट्ठी लिखी। इसमें उनसे कहा गया कि वे अब पर्शिया की जगह ईरान शब्द का इस्तेमाल करें। ईरान आज बारूद के आगोश में खड़ा है और वहां की आवाम सुकून के लिए कल का इंतजार कर रही है।

फॉर्च्यूनर से 2 लोगों को रौंदने वाले की रंगबाजी

कस्टडी में जेब में हाथ डालकर चला, मंत्री संजय निषाद को बताता है फूफा

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में फॉर्च्यूनर से MBBS छात्र समेत 2 लोगों को रौंदने वाला आरोपी पुलिस कस्टडी में रंगबाजी से चलता नजर आया। वीडियो में दिख रहा है कि दो पुलिसकर्मी उसे पकड़े हैं। वह जींस की दोनों जेबों में हाथ डालकर स्टाइल में चल रहा है। आरोपी गोल्डेन साहनी की सोशल मीडिया पर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के साथ कई रील हैं। उसकी मंत्री के साथ एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें उसने कैप्शन लिखा है- कैबिनेट मंत्री (फूफा)। वह खुद को भावी ब्लॉक प्रमुख पिपरौली भी बताता था। दरअसल, होली यानी बुधवार की रात फॉर्च्यूनर चला रहे गोल्डेन साहनी ने ओवरब्रिज पर

MBBS छात्र आकाश पांडेय और उमेश शर्मा (50) को टक्कर मार दी थी। आकाश पांडेय की मौके पर मौत हो गई। जबकि उमेश शर्मा ने गुरुवार देर रात एम्स में दम तोड़ दिया। हादसे के एक घंटे बाद पुलिस ने आरोपी को ट्रेस करके पकड़ लिया और थाने ले गई। उस समय उसने ब्लैक शर्ट और जींस पहनी हुई थी। अगले दिन यानी गुरुवार को जब पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, तो वह सफेद शर्ट में नजर आया। यानी, हिरासत में उसने कपड़े भी चेंज किए। आरोपी गोल्डेन साहनी का एक और वीडियो सामने आया है। इसमें एक लड़की छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए गोल्डेन साहनी को गालियां दे रही है। इस पर गोल्डेन साहनी भी गालियां देते हुए धमकी दे रहा है। इस दौरान लड़की सैंडल से मारने की बात भी कह रही है। होली के दिन बुधवार रात करीब 10 बजे गोरखपुर में मोहद्दीपुर-कौवाबाग ओवरब्रिज पर हादसा हुआ था। फॉर्च्यूनर ने तीन-चार गाड़ियों को टक्कर मार दी। दूसरी गाड़ियों को हल्की टक्कर लगी, जबकि आकाश और उमेश शर्मा की स्कूटी में जोरदार टक्कर हुई। टक्कर लगते ही आकाश हवा में उछलकर करीब 15 मीटर दूर ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराकर औंधे मुंह लटक गए। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उमेश शर्मा घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और ओवरब्रिज पर भीड़ लग गई। लोग वीडियो बनाते रहे, लेकिन किसी ने छात्र को रेलिंग से नहीं उतारा। राहगीरों की सूचना पर करीब 30 मिनट बाद पुलिस पहुंची और आकाश को रेलिंग से उतारा। इसके बाद पुलिस उमेश और आकाश को लेकर जिला अस्पताल पहुंची। यहां डॉक्टरों ने आकाश को मृत घोषित कर दिया। वहीं, उमेश कोमा में चले गए थे। हालत गंभीर होने पर

डॉक्टरों ने उन्हें गोरखपुर एम्स रेफर कर दिया, जहां गुरुवार देर रात इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को MBBS छात्र के साथियों, इंटर्न डॉक्टरों और अन्य छात्रों ने कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि दी। छात्रों ने कहा कि हादसे के आरोपी गोल्डेन साहनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। लापरवाही से वाहन चलाने के कारण एक छात्र की जान चली गई।

एमबीबीएस छात्र घर का इकलौता बेटा था

आकाश पांडेय संतकबीरनगर के धर्मसिंघवा थाना क्षेत्र के बरगदवां का रहने वाला था। उनके पिता देवेंद्र नाथ पांडेय की टेंट की दुकान है, जबकि मां लीलावती देवी गृहिणी हैं। आकाश इकलौते बेटे थे। वह गोरखपुर में बीआरडी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस थर्ड ईयर की पढ़ाई कर रहे थे। होली के दिन आकाश शाम को दोस्त अनूप के घर गए थे। वहां खाना खाने के बाद रात करीब 10 बजे हॉस्टल लौट रहे थे। इसी दौरान मोहद्दीपुर-कौवाबाग ओवरब्रिज पर हादसा हो गया। सूचना मिलते ही दोस्त अनूप अस्पताल पहुंचा और फूट-फूटकर रोने लगा। उसने डॉक्टरों से कहा-साहब, मेरे दोस्त को बचा लीजिए।

पेट्रोल-डीजल की कमी की खबरें भ्रामक, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

जिलाधिकारी ने कहा-जनपद के सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त ईंधन उपलब्ध

तमसा संकेत, संवाददाता

बराबंकी । सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से जनपद में पेट्रोल एवं डीजल की कमी होने संबंधी भ्रामक सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह सूचना पूरी तरह निराधार एवं भ्रामक है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य एवं सुचारु रूप से संचालित हो रही है। प्रशासन द्वारा जनपद के पेट्रोल पंपों की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है और कहीं भी ईंधन की कमी की कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अनावश्यक भ्रम एवं अफवाह फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे आमजन में अनावश्यक चिंता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। प्रशासन द्वारा ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न माध्यमों के जरिए

लगातार निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति पेट्रोल-डीजल की कमी संबंधी भ्रामक सूचना या अफवाह फैलाते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट या भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें तथा सोशल मीडिया पर ऐसी सूचनाओं को साझा करने से बचें। किसी भी जानकारी के लिए प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

फास्ट न्यूज

सहारनपुर में विशेष रोल प्रेक्षक ने की बैठक

सहारनपुर। सहारनपुर में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष रोल प्रेक्षक निखिल गजराज ने शुक्रवार शाम को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल भी मौजूद थे।
प्रेक्षक गजराज ने बताया कि आयोग 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष पुनरीक्षण करा रहा है।

रिक्शा पर बैठकर काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे अभिनेता राकेश बेदी

वाराणसी। अभिनेता और कॉमेडियन राकेश बेदी वाराणसी पहुंचे वह यहां काशी की प्रसिद्ध संकरी गलियों में रिक्शा से घूमे। इसका उन्होंने एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज पर 5 मार्च को पोस्ट किया है। उन्होंने वीडियो में कहा - नमस्ते दोस्तों, मैं राकेश बेदी हूं। मैं वाराणसी में हूं और रिक्शे पर बैठकर काशी विश्वनाथ मंदिर जा रहा हूं। यह मेरी पहली रिक्शा यात्रा है। यहां बहुत भीड़ है और ट्रैफिक भी है। बनारस की गलियों में रिक्शा की यह छोटी-सी यात्रा उनके लिए एक मजेदार एडवेंचर बन गई।

बहनोई की हत्या करने वाले दंपति को उम्रकैद

नोएडा। जारचा थाना क्षेत्र के सलारपुर गांव में करीब सात साल पहले हुई हत्या के मामले में पति-पत्नी को दोषी करार देकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चन्द्र मोहन श्रीवास्तव की अदालत ने सलारपुर गांव निवासी आरोपी अली हसन और उसकी पत्नी गुलशन उर्फ हाजरा पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना जमा नहीं करते हैं।

पोस्ट बजट सेमिनार का जनपद में सजीव प्रसारण

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'कृषि एवं ग्रामीण परिवर्तन' विषयक पोस्ट बजट सेमिनार का नई दिल्ली में आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में Narendra Modi की उपस्थिति में आयोजित सेमिनार का जनपद Barabanki के सभी विकास खण्डों में सजीव प्रसारण कराया गया। वर्चुअल माध्यम से किसानों को कार्यक्रम से जोड़ा गया ताकि वे बजट से संबंधित योजनाओं और नीतियों की जानकारी प्राप्त कर सकें। विकास खण्ड Banki में इस कार्यक्रम का आयोजन पल्हरी प्रक्षेत्र स्थित उप कृषि निदेशक कार्यालय के सभागार में किया गया। यहां एलईडी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किसानों को दिखाया गया। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक Dhirendra Singh, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) बंकी तथा 100 से अधिक किसान उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जनपद के Krishi Vigyan Kendra Haidergarh सहित सभी विकास खण्डों और किसान कल्याण केन्द्रों पर भी एलईडी के माध्यम से कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कराया गया। इस दौरान किसानों को कृषि बजट, नई योजनाओं और ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जनपद में आयोजित इस कार्यक्रम से कुल 973 किसान वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सरकार की कृषि नीतियों, बजट प्रावधानों और ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं के बारे में जागरूक करना था, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें।

लखनऊ सभा का निमंत्रण नहीं मिला, एक महीने एकांतवास पर रहूंगा

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हूं : धीरेंद्र शास्त्री

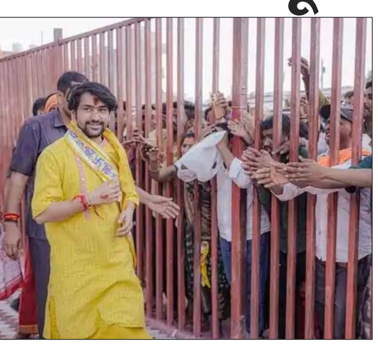

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं। बागेश्वर बाबा ने कहा, शंकराचार्य ने गाय का मुद्दा उठाया है। पूरे देश में गो माता को लेकर अभियान चल रहा है। हम गो सेवक होने के नाते उनका नैतिक रूप से समर्थन करते हैं। लेकिन लखनऊ के लिए हमें आमंत्रण नहीं मिला है। मैं 1 महीने के लिए एकांतवास के लिए जा रहा हूं। धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार को अपनी मां के साथ

काशी पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्ननाथ के दर्शन किए। इस दौरान लोग उनके साथ सेल्फी लेते रहे। CM योगी से टकराव के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरा-नंद गो, गंगा और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। हालांकि अभी उन्हें सभा की परमिशन नहीं मिली है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी काशी में थे। पत्रकारों ने उनसे पूछा- शंकराचार्य को सभा करने की अनुमति मिलेगी? इस पर केशव ने कहा- परमिशन देना मेरा काम नहीं है।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- मोबाइल, टीवी कार्यक्रमों का करेंगे त्याग

बाबा बागेश्वर ने स्पष्ट किया कि वे मोबाइल, टीवी, इंटरव्यू, मिलना और कथा जैसे सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों का त्याग कर रहे हैं। उनका उद्देश्य एक महीने की साधना के बाद नई ऊर्जा, नए विचारों और नई तैयारी के साथ वापस लौटना है, ताकि वे खुद को नए सिरे से नवीनीकृत कर सकें।

धीरेंद्र शास्त्री ने प्रशंसकों को सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपने प्रशंसकों से बात की। उन्हें धर्म, आस्था और सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा, काशी आना उनके लिए हमेशा विशेष अनुभव रहता है, क्योंकि यह भगवान शिव की नगरी है और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को प्रेरित करती है। उन्होंने इंडियन क्रिकेट टीम के फाइनल में पहुंचने पर पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि इंडियन टीम निश्चित रूप से जीत हासिल करेगी और देश का नाम रोशन करेगी।

इंजीनियर भाई ने बहन की हत्या की

मां को चाकू मारे, बहन भी इंजीनियर थी, दोनों गुड़गांव में जॉब करते थे

- नीलिमा इसी किराए के घर में अकेले रहती थी। दोनों बेटा-बेटी बीच-बीच में आते-जाते रहते थे।
- पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल मां को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में 25 साल के इंजीनियर ने दिनदहाड़े अपनी सगी इंजीनियर बहन की हत्या कर दी। वारदात के बाद वह जॉब पर गई मां को ऑफिस से घर लेकर आया।

मां अंदर गई तो बेटी का खून से लथपथ शव देखकर चीखने लगी। यह देखकर आरोपी हार्दिक ने मां पर भी चाकू से हमला कर दिया। आवाज सुनकर दो पड़ोसी महिलाएं पहुंचीं। यह देखकर आरोपी कार लेकर भाग गया। महिलाएं घर के अंदर गईं तो मां-बेटी खून से लथपथ जमीन पर पड़ी हुई थीं। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस दोनों को मुरादाबाद जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने बहन हिमशिखा (25) को मृत घोषित कर दिया। मां नीलिमा अस्पताल में भर्ती हैं।

भाई-बहन दोनों जुड़वा थे। मां नीलिमा बीमा कंपनी में काम करती हैं। घटना मझोला थाना क्षेत्र की है। एसपी सिटी रण विजय सिंह ने बताया- भाई-बहन के बीच कहासुनी के बाद यह घटना हुई है। आरोपी बेटा फरार है। उसकी तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हैं।

होली पर घर आए थे भाई-बहन

नीलिमा मूलरूप से बदायूं की रहने वाली हैं। पति इंद्रजीत ने 9 साल पहले नीलिमा को छोड़ दिया था। इसके बाद से वह बुद्धि विहार में आर्यन इंटरनेशनल स्कूल के पास रहती हैं। उन्होंने पूरे मकान को किराए पर ले रखा है। मकान मालिक दूसरी जगह रहता है। एसपी सिटी रण विजय सिंह के मुताबिक, घायल मां नीलिमा ने बताया- भाई-बहन गुड़गांव(गुरुग्राम) में जॉब करते थे, लेकिन 3 महीने पहले हार्दिक की नौकरी चली गई थी। उसके बाद से भाई, बहन के साथ ही रहता था। पड़ोसी सुनीता अहलूवालिया ने बताया- वो भी पंजाबी हैं, हम भी पंजाबी हैं। नीलिमा यहां अकेले रहती है।

"पड़ोसी महिला ने बताया- हमने पीछे से कई आवाजें भी लगाईं, लेकिन उसने नहीं सुना। हम लोग जब नीलिमा के घर के अंदर गए तो देखा कि नीलिमा और हिमशिखा दोनों का खून बह रहा था। हमने तुरंत पुलिस को फोन किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। पुलिस दोनों को मुरादाबाद जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने हिमशिखा को मृत घोषित कर दिया।"

भाजपा नेता ने पड़ोसी के सीने पर तानी पिस्टल

500 रुपए के होली के चंदे को लेकर हुआ विवाद

- वीडियो में दिख रहा है भाजपा नेता हेमंत गर्ग ने हाथ में पिस्टल और पड़ोसी विशाल शर्मा ने डंडा ले रखा है।
- भाजपा नेता हेमंत गर्ग पड़ोसी विशाल शर्मा पर के सीने पर पिस्टल तानते हुए।

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में भाजपा नेता ने पड़ोसी के सीने पर पिस्टल तान दी। कहा- तुम्हें गोली मार देंगे। पड़ोसी के भांजे और भाजपा नेता के नाबालिग बेटे के बीच होली के 500 रुपए के

चंदे को लेकर विवाद हुआ था। दोनों के बीच जमकर गाली-गलौज हुई। इसका पता चलते ही पड़ोसी विशाल शर्मा गुरुवार को भाजपा नेता के घर पहुंच गया। विशाल के मुताबिक, घर पर भाजपा नेता हेमंत गर्ग नहीं मिले। वहां उनके नाबालिग बेटे से कहासुनी हो गई। बेटा घर से पिस्टल निकाल आया और 3 राउंड फायरिंग कर दी। विवाद बढ़ता देख पत्नी ने फोन करके भाजपा नेता हेमंत को दुकान से बुला लिया। आरोप है कि भाजपा नेता ने बेटे को समझाया नहीं, बल्कि पड़ोसी विशाल से भिड़ गए। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और दोनों को अलग किया। हेमंत गर्ग भाजपा के व्यापार मंडल के महामंत्री हैं। घटना गुरुवार को बन्नादेवी थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और भाजपा नेता और उसके बेटे को पकड़कर थाने ले गई। हालांकि, थाने के बाहर से ही नाबालिग बेटा भाग गया। पुलिस ने भाजपा नेता को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसके बाद जेल भेज दिया।

अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

आरएसपी अध्यक्ष के खिलाफ कराया था मुकदमा, टीन शेड और कच्ची दीवारें ढहाईं

तमसा संकेत, एजेंसी

हाथरस। आगरा रोड स्थित Hari Eye Hospital परिसर में अवैध कब्जे के मामले में शुक्रवार शाम प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर निर्माण को ध्वस्त कर दिया। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर टीन शेड, कच्ची दीवारों और अन्य अस्थायी निर्माण को हटाते हुए जमीन को कब्जा मुक्त करा दिया। बताया गया कि यह कार्रवाई Hathras देहात क्षेत्र के लेखपाल राघवेंद्र सिंह द्वारा दो दिन पहले दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई। लेखपाल ने आरोप लगाया था कि Pankaj Dhavareya, जो राष्ट्रीय स्वर्ण परिषद के अध्यक्ष बताए जा रहे हैं, ने अस्पताल परिसर में अवैध रूप से कब्जा कर टीन शेड, गेट और एक कमरा बनवा लिया था। आरोप है कि वहां पशु भी बांधकर रखे गए थे। जानकारी के अनुसार पंकज धवरैया पिछले 28 दिनों से अपने

निवास कंचन नगर के बाहर यूजीसी बिल और SC/ST Act के विरोध में धरने पर बैठे हुए हैं। इसी दौरान प्रशासन ने अवैध कब्जे के मामले में कार्रवाई करते हुए निर्माण को हटाने की प्रक्रिया शुरू की। शुक्रवार शाम तहसीलदार सदर Lakshmi Narayan Bajpai के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर की मदद से टीन शेड और कच्ची दीवारों को ध्वस्त कर दिया गया। तहसीलदार सदर लक्ष्मी नारायण बाजपेई ने बताया कि संबंधित स्थान पर कच्ची दीवार और टीन शेड बनाकर अवैध कब्जा किया गया था। प्रशासन की कार्रवाई के बाद अब पूरी जमीन को कब्जा मुक्त करा लिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी या सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे के मामलों में आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अफवाह : ईरान-इजरायल-अमेरिका तनाव के चलते कीमत बढ़ने की आशंका से लोगों में घबराहट

अफवाहों से पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़, डीजल-पेट्रोल भराने के लिए लगी लंबी कतारें

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र में शुक्रवार को कई पेट्रोल पंपों पर डीजल और पेट्रोल लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें पेट्रोल पंपों पर लग गईं। क्षेत्र में फैली अफवाहों के कारण लोग बड़ी मात्रा में ईंधन खरीदने के लिए पहुंचने लगे, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा फैल गई थी कि Iran, Israel और United States के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थिति के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती

है। साथ ही भविष्य में ईंधन की कमी होने की आशंका भी जताई जा रही थी। इसी डर के चलते लोग सुबह से ही पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर अपने वाहनों में ईंधन भरवाने लगे। इस मामले में Shanshak Tripathi, जिला अधिकारी Barabanki, ने भी लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही अफवाह फैलाएं।

पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़ के बीच कई लोग अपने वाहनों के अलावा प्लास्टिक के कैन और डिब्बों में भी पेट्रोल-डीजल भरवाते दिखाई दिए। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण कुछ समय के लिए पंपों पर अव्यवस्था का माहौल भी देखने को मिला। हालांकि पंप कर्मचारियों ने लोगों को कतार में लगाकर ईंधन उपलब्ध कराया, जिससे स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो गई।

अफवाहों से बढ़ी भीड़

स्थानीय लोगों का कहना है कि सामान्य दिनों में पेट्रोल पंपों पर इतनी भीड़ नहीं रहती, लेकिन अफवाहों के कारण अचानक भीड़ बढ़ गई। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि कुछ लोग ईंधन का स्टॉक कर बाद में अधिक दामों पर बेचने की कोशिश भी कर सकते हैं। फिलहाल पेट्रोल पंपों पर ईंधन की आपूर्ति जारी है और प्रशासन के अनुसार स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे अफवाहों से बचें और अनावश्यक रूप से ईंधन का भंडारण न करें।

पेट्रोल पंप मालिक ने अफवाहों से बचने की अपील की

इस संबंध में पेट्रोल पंप मालिक मनोज सिंह ने बताया कि क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। पंप पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है और तेल कंपनियों की ओर से नियमित आपूर्ति जारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि घबराहट में अनावश्यक रूप से ज्यादा मात्रा में पेट्रोल-डीजल न खरीदें।

शिवाजी महाराज की मनाई जयंती, बोले- प्रशासन को जो करना है वह करे
अविमुक्तेश्वरानंद ने किया 'धर्मयुद्ध' का शंखनाद

संकल्प

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गो-प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध का शंखनाद कर दिया हैं। शंकराचार्य घाट पर छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई। यहीं पर धर्मयुद्ध शंखनाद का संकल्प लिया।

वहीं इससे पहले शंकराचार्य ने कहा- सीएम योगी के पास 5 दिन का समय बचा है। वह गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित कर दें। अभी तक उनकी तरफ से कोई बयान नहीं आया है। उनके ही पार्टी के अन्य लोग समर्थन कर रहे हैं, लेकिन कोई खुलकर सामने नहीं आ रहा है।

7 मार्च को हनुमान चालीसा का पाठ कर वाराणसी से लखनऊ के लिए निकलेंगे। वहां पर सभी साधु संतों के सामने हम अपने फैसले सुनाएंगे। उन लोगों का चेहरा भी सामने लाएंगे, जो लोग हमारे इस अभियान में साथ हैं।

रास्ते में हमें जहां रोका जाएगा, हम कानून का पूरा साथ देंगे। उम्मीद है कि ये धर्म की यात्रा है, इसमें कोई बाधा नहीं आएगी। अपने निर्धारित मार्ग और कार्यक्रम के अनुसार ही लखनऊ के लिए बढ़ेंगे। हम अपने मार्ग पर निकलेंगे और जो भी निर्णय लेना होगा, वह अपने धर्म और परंपरा के अनुसार लेंगे। प्रशासन को जो करना है वह करे, लेकिन अपने तय कार्यक्रम से पीछे नहीं हटेंगे।

परमिशन देना मेरा काम नहीं- डिप्टी सीएम

प्रयागराज माघ मेले में 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य और प्रशासन के बीच विवाद हुआ था। इसके 8 दिन बाद 24 जनवरी को जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष महाराज ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। माघ मेला-2026 और महाकुंभ-2025 के दौरान बच्चों से यौन शोषण के आरोप लगाए थे। पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए 8 फरवरी को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। 13 फरवरी को 2 बच्चों को कोर्ट में पेश किया। 21 फरवरी को उनके बयान दर्ज हुए। कोर्ट के आदेश पर उसी दिन झूंसी थाने में FIR दर्ज की गई। FIR में शंकराचार्य, उनके शिष्य मुकुंदानंद और 2-3 अज्ञात आरोपी बनाए गए।

24 फरवरी को शंकराचार्य ने प्रयागराज एडिशनल कमिश्नर अजय पाल शर्मा पर साजिश रचने का आरोप लगाया। साथ ही इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। 27 फरवरी को हाईकोर्ट ने सुनवाई की तारीख 9 मार्च तय की। तब तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

> **शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के लखनऊ में होने वाले कार्यक्रम के लिए परमिशन के सवाल पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य आनाकानी करते नजर आए। उन्होंने कहा- परमिशन देना मेरा काम नहीं है।**

जुमा की नमाज के बाद इजराइल अमेरिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में जुमा की नमाज के नमाजियों ने इजराइल और अमेरिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। ईरान के समर्थन में नारेबाजी करते हुए लोगों ने वहां के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह सैय्यद अली खामेनेई को लेकर गम और गुस्सा जाहिर किया। नमाजियों ने इजराइल और अमेरिका के राष्ट्रपति के पोस्टर और दोनों देशों के झंडे मस्जिद की सीढ़ियों पर रख दिए और उनके ऊपर से गुजरते हुए अपना विरोध जताया। इस दौरान मस्जिद के बाहर पुलिस भी मौजूद रही।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह सैय्यद अली खामेनेई का पोस्टर लेकर लोग मस्जिद में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह सैय्यद अली खामेनेई का पोस्टर लेकर लोग मस्जिद में विरोध प्रदर्शन करते हुए। ग्वालटोली स्थित शिया जामा मस्जिद मकबरा में जुम्मे की नमाज से पहले मस्जिदों की ओर जाने वाले रास्तों पर विरोध का अनोखा तरीका अपनाया गया। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में अमेरिका और इजरायल के झंडों के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरें लगा दीं। मस्जिद में नमाज पढ़ने जाने वाले और लौटने वाले नमाजियों ने इन तस्वीरों पर पैर रखकर गुजरते हुए अपना विरोध जताया, वहीं कई लोगों ने इन पर जूते-चप्पल चलाकर भी गुस्सा जाहिर किया।

कानपुर में डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू की तस्वीर पर पैर रखकर मस्जिद पहुंचे नमाजी

फास्ट न्यूज

भारत की जीत पर यूपी में जश्न

लखनऊ। टी-20 वर्ल्ड कप के रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली है। इंडिया की इंग्लैंड पर जीत के बाद यूपी के शहरों में होली के बाद दिवाली मनाई गई। क्रिकेट के फैंस सड़कों पर आ गए। बाइकों पर भारत का तिरंगा लेकर बाहर निकले। इस दौरान जमकर आतिशबाजी की गई। आगरा में फैंस ने बड़ी स्क्रीन पर मैच देखा।

गाजियाबाद में पेंट फैक्ट्री में भीषण आग

गाजियाबाद । गाजियाबाद में गुरुवार देर रात पेंट बनाने वाली की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लपटें करीब 2 किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थी। इससे कर्मचारियों में अफरा-तफरा मच गई। लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। अंदर रखे केमिकल से भरे ड्रम तेज धमाकों के साथ फटे, जिससे आग और विकराल हो गई।

आग लगने की सूचना पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। शहर के अलग-अलग फायर स्टेशनों से कुल 12 गाड़ियां आग बुझाने में जुटीं। तब जाकर काबू पाया जा सका।

28 साल की महिला रेलवे टेक्नीशियन का सुसाइड

कानपुर। कानपुर में 28 साल की महिला रेलवे टेक्नीशियन ने सुसाइड कर लिया। उनका शव कमरे में दुपट्टे से लटका मिला। वह होली मनाकर गुरुवार सुबह कानपुर लौटी थीं। शाम को रूम पार्टनर भी अपने घर से लौटी। उसने दरवाजा कई बार खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया।

उसने पुलिस और परिवार को सूचना दी।

चौमुहां में भव्य हुरंगे का आयोजन साड़ी देकर किया गया सम्मानित
समाजसेवी पूरन सिसौदिया के प्रयास से जीवंत हुई ब्रज की परंपरा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा(चौमुहां)। कस्बे के भरतिया रोड स्थित सरकारी गौशाला के समीप ब्रज की सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप भव्य हुरंगे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा नेता एवं समाजसेवी बिहारीलाल उर्फ पूरन सिसौदिया द्वारा किया गया, जो पिछले कई वर्षों से अपनी निजी निधि से इस परंपरा को जीवंत बनाए हुए हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी उपस्थित रहे। हुरंगे के दौरान ब्रज की पारंपरिक होली और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां हुरियारों और हुरियारिनों के बीच हंसी-ठिठोली और उमंग की बौछारों से माहौल सराबोर हो गया।

आयोजन के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता हुरियारिनों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही आयोजन की गरिमा बढ़ाते हुए प्रत्येक प्रतिभागी हुरियारिन को एक-एक साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि नरदेव चौधरी ने कहा कि ब्रज की होली और हुरंगा केवल उत्सव नहीं बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने कहा कि पूरन सिसौदिया जैसे समाजसेवी अपनी मेहनत और संसाधनों से इन परंपराओं को संजोए हुए हैं, जो अत्यंत सराहनीय है।

आयोजक समाजसेवी व भाजपा नेता बिहारीलाल उर्फ पूरन सिसौदिया ने कहा कि ब्रज संस्कृति की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि हुरंगा ब्रज की ऐसी लोक परंपरा है जो ऊंच-नीच के भेदभाव को मिटाकर सभी को प्रेम के सूत्र में बांधती है। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम देर शाम तक उत्साह और उल्लास के साथ चलता रहा।

इस मौके पर सतीश शर्मा, गुड्डू पहलवान, द्वारिकाधीश यादव, पूर्व चेयरमैन ओंकार सिंह, पवन, संजय सिंह, नेत्रपाल, कुलदीप, गिर्राज नेता, रवींद्र सिंह, देवेंद्र पहलवान, मानसिंह आदि मौजूद रहे।

डॉक्टर बोले- शायद बोल न पाएं, हमलावरों के पिता का दावा- बेटों का फर्जी एनकाउंटर हुआ
एक्स मुस्लिम सलीम को सात दिन बाद होश आया

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । खुद को Ex-मुस्लिम कहने वाले गाजियाबाद के सलीम वास्तिक को हमले के 7 दिन बाद गुरुवार को होश आया है। वह दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल के ICU में ही हैं। अस्पताल ने उनके बेटे उस्मान को एक वीडियो दिया है।

5 सेकेंड के इस वीडियो में सलीम वास्तिक बेड पर दिख रहे हैं। ऑक्सीजन लगी है। गले पर टांके लगे हैं। डॉक्टर कहते हैं- सलीम। वो (सलीम) आंख खोलकर देखते हैं। डॉक्टर कहते हैं- जीभ बाहर निकालो...। सलीम जीभ बाहर निकालते हैं। परिवार को बताया गया है कि ऑपरेशन के बाद अब सलीम की स्थिति बेहतर है। दवाएं असर दिखा रही हैं। बेटे उस्मान को डॉक्टरों ने यह भी बताया कि सलीम अभी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वो आगे बोल सकेंगे या नहीं, ये अभी क्लियर नहीं है। दूसरी तरफ, सलीम पर हमला करने वाले अमरोहा के भाई जीशान और गुलफाम के पिता कहते हैं- मेरे बेटों का एनकाउंटर किया, वो भी फेक। गलती की थी तो अरेस्ट करते, कोर्ट लेकर जाते। मेरी इतनी औकात नहीं कि सुप्रीम कोर्ट जाऊं।

मैक्स हॉस्पिटल की तरफ से ये वीडियो जारी हुआ है। इसमें सलीम वास्तिक डॉक्टर की बातों पर रिएक्ट करते दिख रहे हैं।

पत्नी को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया, हॉस्पिटल के बाहर पुलिस वैन

सलीम वास्तिक ने अपनी पत्नी और बेटे को खुद से दूर अशोक विहार (दिल्ली) में रखा था। अशोक विहार में वो कहां रहते हैं? सुरक्षा के चलते पुलिस ये उजागर नहीं कर रही है। पत्नी को पुलिस ने एक सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया है। बेटे उस्मान को भी लोकल पुलिस के नंबर दिए गए हैं कि कहीं भी खतरा लगने पर कॉल करके मदद बुला लें।

बेटा बोला- जख्म बहुत गहरे, ठीक होने में समय लगेगा

हॉस्पिटल में सलीम के बेटे उस्मान और रिश्तेदार मौजूद हैं। उस्मान कहते हैं- पहले जीटीबी हॉस्पिटल और अब मैक्स हॉस्पिटल में पापा की स्थिति सीरियस बनी हुई थी। 27 फरवरी को हमला होने के बाद पहली बार 5 मार्च को उन्हें होश आया, हमें तो अंदर जाने नहीं दिया जाता है। चाकू लगने से जो लिवर डैमेज हुआ है, उसको भी दवाओं से रिकवर करने का प्रयास चल रहा है। हालांकि, डॉक्टर ने यह भी कहा कि जख्म बहुत गहरे हैं और पूरी तरह ठीक होने मे काफी समय लग सकता है।

मुखराई में 108 दीपों के साथ हुआ चरकुला नृत्य, जिपंअ-विधायक ने संयुक्त रूप से किया शुभारंभ
ब्रज की लोक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान : किशन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। बृज की अधिष्ठात्री देवी श्री राधा रानी की ननिहाल गांव मुखराई में बीतीरात 5 हज़ार वर्ष पुरानी परंपरा पुनः जीवंत हो उठी। गांव मुखराई की महिलाओ ने परम्परागत तरीके से विश्व प्रसिद्ध चरकुला नृत्य कर सभी का मनमोह लिया। मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी और गोवर्धन विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष (गोवर्धन) ठाकुर परशुराम ने चरकुला नृत्य का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके किया। पूरा गाँव राधा रानी की नानी 'मुखरा देवी' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मुख्य अतिथियों का ब्रज लोक कला फाउंडेशन के दानी शर्मा, राम किशोर शर्मा और राहुल दुबे सहित

अन्य गणमान्य नागरिकों ने पटुका पहनाकर व श्रीराधाकृष्ण की छवि भेंटकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने उपस्थित जनसमूह के साथ ब्रज की प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का आनंद लिया तथा चरकुला नृत्य के माध्यम से ब्रज की लोक संस्कृति और विरासत को सहेजने के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ब्रज की लोक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं, जिन्हें सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। ब्रज लोक कला फाउंडेशन के दानी शर्मा ने बताया कि चरकुला नृत्य की शुरुआत मुखराई गांव से ही मानी जाती है। उन्होंने बताया राधारानी के जन्म की खुशी में उनकी नानी मुखरा देवी ने रथ के पहिए को सिर पर रखकर नृत्य किया था। इसी परंपरा की स्मृति में हर वर्ष होली की दौज पर मुखराई में यह उत्सव मनाया जाता है।

> **चरकुला नृत्य का मुख्य आकर्षण वह क्षण रहा जब महिला कलाकारों ने अपने सिर पर 108 जलते दीपकों का भारी-भरकम पिंजरा (चरकुला) रखकर नृत्य का प्रदर्शन किया। इस कठिन साधना और संतुलन को देख उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध हो गया।**

नृत्य की शुरुआत जय देवी ने ठाकुर मदन मोहन जी के द्वार से की, जिसके बाद जानकी, विजय देवी, उर्मिला देवी और नीतू जैसी नृत्यांगनाओं ने बारी-बारी से अपनी कला का प्रदर्शन कर दर्शकों को दाँतों तले उंगलियाँ दबाने पर मजबूर कर दिया। 'जुग-जुग जियो तुम नाचन हारि' की गूँज व लोकगीतों की मधुर तान के बीच जहाँ हुरियारिनों ने हुरियारों पर प्रेम की लाठियाँ बरसाईं, वहीं हुरियारों ने "जुग-जुग जियो तुम नाचन हारि..." जैसे पारंपरिक लोकगीतों से नृत्यांगनाओं का उत्साहवर्धन किया।

अयोध्या में अमिताभ बच्चन ने खरीदी 2.67 एकड़ जमीन
35 करोड़ की डील, 'द सरयू' प्रोजेक्ट के पास ली प्रॉपर्टी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में 2.67 एकड़ जमीन खरीदी है। बताया जा रहा है कि इस जमीन की कीमत करीब 35 करोड़ रुपए है। यह प्रॉपर्टी रियल एस्टेट कंपनी हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा से ली गई है। कंपनी के मुताबिक शुक्रवार को जमीन की रजिस्ट्री हुई। यह जमीन उनके 75 एकड़ में बन रहे लग्जरी प्रोजेक्ट 'द सरयू' के पास है। इस डील की प्रक्रिया एबी कॉर्प लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश यादव के जरिए की गई। इससे पहले जनवरी 2024 में अमिताभ बच्चन इसी प्रोजेक्ट 'द सरयू' के पहले नागरिक (फर्स्ट सिटिजन) भी बने थे। बताया जा रहा है कि अयोध्या में अमिताभ बच्चन का यह तीसरा निवेश है। इससे पहले भी वह अभिनंदन लोढ़ा के प्रोजेक्ट्स में जमीन खरीद चुके हैं। इसे अयोध्या में तेजी से बढ़ रहे रियल एस्टेट और निवेश के अवसरों पर उनके भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मंदिर निर्माण से पहले अयोध्या में हर साल करीब 5.75 करोड़ श्रद्धालु आते थे। वहीं जनवरी से जून 2025 के बीच यह संख्या बढ़कर करीब 23 करोड़ तक पहुंच गई। अनुमान है कि 2026 के अंत तक यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों में अयोध्या में सड़कों, रेलवे, एयरपोर्ट और शहरी विकास से जुड़ी परियोजनाओं पर 85 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है। इसी वजह से अयोध्या अब सिर्फ धार्मिक नगरी ही नहीं, बल्कि रियल एस्टेट निवेश का बड़ा केंद्र भी बनती जा रही है।

हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के चेयरमैन अभिनंदन लोढ़ा ने कहा कि अयोध्या में जमीन केवल एक संपत्ति नहीं, बल्कि पीढ़ियों तक सुरक्षित रहने वाली विरासत है। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और बढ़ती कनेक्टिविटी के कारण यहां लंबे समय के निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

रूस से कच्चा तेल ...

5 मार्च तक लोड हुए जहाजों का ही तेल खरीद सकेंगे

मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर हो गई है। ईरान ने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20% तेल सप्लाई होती है।

तेल क्षेत्रों पर हमले: पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरामको की 'रास तनुरा' रिफाइनरी और इराक के 'रुमैला' तेल क्षेत्र जैसे बड़े केंद्रों पर हमले हुए हैं।

कीमतों में उछाल: ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई के कारण ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड की कीमतें बढ़ रही हैं।

कांग्रेस नेता ने पवन खेड़ा ने इस मामले को व्यापार समझौते से जोड़ते हुए X पर पोस्ट कर कहा कि ट्रेड डील पर हस्ताक्षर नहीं हुए, फिर भी ऐसा लग रहा है जैसे प्रतिबंध लागू हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि, अनुमति वहां ली जाती है जहां कोई बंधन होते हैं। बंधन वहां होते हैं जहां कोई समझौता या करार होता है। समझौता वहां होता है जहां हस्ताक्षर हो चुके होते हैं। क्या भारत अमरीका के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो चुके हैं? जब हस्ताक्षर ही नहीं हुए, तो समझौता कैसा? जब समझौता ही नहीं, तो बंधन कैसा? जब बंधन ही नहीं, तो अनुमति क्यों? क्या यह एपस्टीन का बंधन है?

'समझौता कर चुके...

रूस से ख़रीदें या ईरान से, ये अमेरिका तय करेगा. लेकिन हमारे पीएम तय नहीं करेंगे।

होर्मुज में रुकावट ...

मुझे और भी ज्यादा चिंता इस बात की है कि यह असामान्यता अब 'न्यू नॉर्मल' बनती जा रही है

अनुज अग्निहोत्री ...

एकांश ने साल 2024 में UPSC में 342वीं और साल 2025 में 295वीं रैंक हासिल की थी।

यूपी के शामली की आस्था जैन को 9वीं रैंक मिली है। आस्था ने 2024 में UPSC क्वालीफाई किया था। 131 वीं रैंक पाकर वो IPS बनी थीं। हैदराबाद में IPS की ट्रेनिंग से छुट्टी लेकर सिविल सर्विस की पढ़ाई की। सेल्फ स्टडी के दम पर ये मुकाम पाया।

कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट upsc.gov.in और upsconline.nic.in पर विजिट कर फाइनल मेरिट लिस्ट चेक कर सकते हैं।

भारत सरकार ने UPSC कैडर अलॉटमेंट के लिए 2017 से चली आ रही 'जोन सिस्टम' की व्यवस्था को खत्म कर दिया है। इसकी जगह नई 'कैडर एलोकेशन पॉलिसी 2026' लागू कर दी गई है। इसके तहत अब 'साइकिल सिस्टम' के जरिए अफसरों के कैडर का बंटवारा होगा। ये पॉलिसी इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (IAS), इंडियन पुलिस सर्विस (IPS) और इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (IFoS) के लिए चयनित उम्मीदवारों पर लागू होगी।

UPSC ने अब तक सभी स्टेट और UTs के कुल 25 कैडर बनाए थे। इन्हें जियोग्राफिकली 5 जोन में बांटा गया था- नॉर्थ, वेस्ट, साउथ, सेंट्रल और ईस्ट। UPSC मेन्स क्लियर करने के बाद कैंडिडेट्स DAF II फॉर्म भरते थे जिसमें पहले जोन और फिर स्टेट प्रिफरेंस चुनने का मौका मिलता था। एक बार जिस स्टेट में ऑफिसर की नियुक्ति होती है, परमानेंट उसी स्टेट में काम करना होता है। इसे ही कैडर कहते हैं।

UPSC रिजल्ट्स में लखनऊ के कई अभ्यर्थियों ने अपना परचम लहराया है। लखनऊ में पढ़ाई करने वाले विमल कुमार ने 107वीं रैंक हासिल की है तो गूगल में अमेरिका में 10 साल से नौकरी कर रहे पीयूष कपूर ने 402वीं रैंक पाई है। UPSC से ही 2024 में डाक विभाग में चयनित हुए अलीगंज के आदर्श पांडेय ने 347वीं रैंक हासिल की है।

बच्चों के सोशल ...

सरकार शैक्षणिक संस्थानों में नशे की समस्या को रोकने के लिए कदम उठाएगी। इसके लिए स्कूल और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही सख्त नियम लागू किए जाएंगे ताकि छात्र नशे से दूर रहें। छात्रों की मदद के लिए सहायता और काउंसलिंग केंद्र भी बनाए जाएंगे, जहां वे अपनी समस्याएं खुलकर बता सकें।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन का प्रस्ताव डेटा सुरक्षा कानून डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (DPDP) और पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स 2025 से भी जुड़ा है। इसके तहत बच्चों को अकाउंट बनाने से पहले माता-पिता की अनुमति और उम्र का वैरिफिकेशन जरूरी होगी। इसके लिए सरकारी पहचान प्रणाली या डिजिटल लॉकर का उपयोग किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने नवंबर 2024 में 'ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट बिल' पास किया था। इस कानून का मकसद बच्चों को ऑनलाइन हानिकारक कंटेंट और साइबर जोखिमों से बचाना है। इसमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों को TikTok, X (ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, यूट्यूब जैसी बड़ी सोशल मीडिया साइटों से दूर रखने का प्रावधान है।

नेपाल चुनाव : भारत ...

पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद गुरुवार को हुए चुनाव में 60% से ज्यादा लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। चुनाव आयोग ने कहा है कि 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी।

शुक्रवार शाम 5 बजे तक चुनाव आयोग में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक प्रत्यक्ष चुनाव वाली 165 सीटों में से 142 सीटों पर मतगणना जारी है। इनमें राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) 103 सीटों पर आगे चल रही है। रवि लामिछाने और बालेन शाह के नेतृत्व वाली इस पार्टी ने पुराने और स्थापित राजनीतिक दलों को काफी पीछे छोड़ दिया है। इस स्थिति को लेकर नेपाली कांग्रेस, नेकपा एमाले और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी है।

बालेन शाह- रैपर से ...

उनके रैप में अक्सर नेताओं की बेइज्जती की जाती थी, लेकिन तब लोग चौंक गए जब बालेन ने मई 2022 में काठमांडू से मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया।

बालेन काले ब्लेजर, काली जींस और काले धूप के चश्मे में प्रचार करने जाते, जिसकी खूब चर्चा हुई। निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले सिर्फ 33 साल के बालेन ने बड़े-बड़े दिग्गजों को चुनाव में हरा दिया। वह निर्दलीय उम्मीदवर बनकर मेयर का चुनाव जीतने वाले पहले शख्स बने।

नेपाल में काठमांडू के मेयर की हैसियत कई केंद्रीय मंत्री से भी अधिक मानी जाती है। ऐसे में इस जीत की चर्चा सिर्फ नेपाल में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में हुई। साल 2023 में टाइम मैगजीन ने उन्हें दुनिया के टॉप 100 प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने उनकी प्रोफाइल स्टोरी की थी।

सीएम योगी ने 50 ...

उन्होंने कहा कि प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए तकनीक, संसाधन और पुलिस बल को लगातार सशक्त किया जा रहा है, ताकि आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र में पहली बार कानून-व्यवस्था भी चुनाव का मुद्दा बनती दिखाई दी। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि कोई सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा सत्ता में आई है और यह उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रयासों का परिणाम है।

बंगाल एसआईआर ...

यह धरना दोपहर करीब 2:15 बजे शुरू हुआ। प्रदर्शन राज्य में चुनाव आयोग के पूरे दल के प्रस्तावित दौरे से दो दिन पहले हो रहा है। इसकी घोषणा पहले TMC के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने की थी।

28 फरवरी को चुनाव आयोग ने पोस्ट-SIR के बाद संशोधित वोटर लिस्ट जारी की थी।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच होगी खिताबी टक्कर, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला

टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल 8 मार्च को

मुकाबला

अहमदाबाद, एजेंसी

अहमदाबाद। ICC Men's T20 World Cup 2026 अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार 8 मार्च को India national cricket team और New Zealand national cricket team के बीच खेला जाएगा। यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला अहमदाबाद स्थित दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम Narendra Modi Stadium में आयोजित होगा। क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें इस मुकाबले पर टिकी हैं, क्योंकि

भारतीय टीम लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने की दावेदार मानी जा रही है। फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट का भव्य समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में अंतरराष्ट्रीय पॉप सुपरस्टार Ricky Martin अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर फैंस में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अपनी दमदार आवाज, स्टेज पर शानदार मौजूदगी और दुनियाभर में लोकप्रिय लैटिन पॉप गानों के लिए मशहूर रिकी मार्टिन की प्रस्तुति को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। International Cricket Council (आईसीसी) के अनुसार फाइनल मुकाबले के दिन स्टेडियम के गेट दोपहर 3:30 बजे दर्शकों के लिए खोल दिए जाएंगे। इसके बाद शाम 5:30 बजे क्लोजिंग सेरेमनी की शुरुआत होगी, जिसमें रिकी मार्टिन अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे। समापन समारोह के बाद भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम इस बार लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी। इससे पहले भारत ने ICC Men's T20 World Cup 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया था। अगर टीम इंडिया इस बार भी जीत दर्ज करती है, तो वह लगातार दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन सकती है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम टी20 विश्व कप के इतिहास में दूसरी बार फाइनल में पहुंची है।

लगातार दूसरे खिताब पर टीम इंडिया की नजर

भारतीय टीम चौथी बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। टीम इंडिया ने पहला खिताब ICC Men's T20 World Cup 2007 में जीता था और इसके बाद ICC Men's T20 World Cup 2024 में भी चैंपियन बनी थी। अगर भारत इस बार न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है, तो वह लगातार दो बार टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी।

सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में पहुंचीं दोनों टीमें

सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत ने England national cricket team को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि न्यूजीलैंड ने South Africa national cricket team को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट की समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें अंतरराष्ट्रीय पॉप सुपरस्टार Ricky Martin अपनी प्रस्तुति देंगे। इसकी जानकारी International Cricket Council ने दी है।

इब्राहिम जादरान अफगानिस्तान के नए टी-20 कप्तान बने

राशिद खान की जगह लेंगे, श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए टीम का ऐलान

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने इब्राहिम जादरान को टी-20 इंटरनेशनल टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। जादरान स्टार स्पिनर राशिद खान की जगह ली है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी-20 और वनडे सीरीज के लिए गुरुवार को अपनी टीमें घोषित कर दीं। बोर्ड के मुताबिक, जादरान अब टी-20 फॉर्मेट में टीम की अगुआई करेंगे और उनकी कप्तानी का पहला असाइनमेंट श्रीलंका के खिलाफ सीरीज होगी। राशिद खान लंबे समय से अफगानिस्तान की टी-20 टीम की कप्तानी कर रहे थे, लेकिन हाल ही में हुए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम के प्रदर्शन के बाद कप्तानी में बदलाव किया गया है। जादरान हाल के सालों में अफगा-निस्तान के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में रहे हैं और पहले टीम के उपकप्तान भी रह चुके हैं। 13 मार्च को होने वाले पहले मैच से टी-20 मुकाबले से सीरीज की शुरुआत हो होगी। सीरीज का दूसरा और तीसरा टी-20 मैच15 और 17 मार्च को खेले जाएंगे। टी-20 सीरीज के तीनों मैच शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद 20 मार्च को होने वाले मुकाबले से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी।

अक्षर तुमने दिल जीत लिया : नवजोत सिद्धू

24 कैरेट सोना बताया, बाउंड्री पर लिए कैच को कहा चमत्कार

जालंधर, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर एवं राजनेता नवजोत सिंह सिद्धू ने भारत-इंग्लैंड के बीच हुए क्रिकेट मैच को लेकर कैचेस विन मैचेस टैग से वीडियो शेयर किया है। सिद्धू ने वीडियो के जरिए इंग्लैंड पर मिली भारत की जीत ने अक्षर पटेल के 2 कैच को टर्निंग पॉइंट बताया। सिद्धू ने वीडियो के जरिए क्रिकेट की अपनी यादों को भी ताजा किया। सिद्धू ने कपिल देव की क्लिप जारी करते हुए कहा कि जिस तरह अक्षर ने पीछे मुड़कर दौड़ते हुए कैच पकड़ा, ठीक ऐसा ही कैच कपिल देव ने पकड़ा था। तब भी भारत ने मैच जीता था। सिद्धू ने कहा कि ये

जरूरी नहीं है कि क्रिकेट में बल्लेवाज या बॉलर ही मैच जिताते हैं। क्रिकेट का इतिहास गवाह रहा है कि बहुत बार फील्डिंग के कारण टीमों को जीत मिली है। भारत-इंग्लैंड के बीच हुए टी-20 सेमीफा-इनल में भी ऐसा ही देखने को मिला। अगर अक्षर पटेल बाउंड्री वाला कैच न पकड़ता तो गेम शायद इंग्लैंड के पाले में चली जाती। सिद्धू ने कहा कि इस मैच की जीत में वह अक्षर पटेल के 2 कैच को महत्वपूर्ण मानते हैं। इन्हीं कैच की बदौलत मैच का रूख बदला और जीत मिल पाई। अक्षर पटेल की बॉलिंग और फील्डिंग की भूमिका इस मैच में वर्थ इट्स वेट इन गोल्ड रही। यही अक्षर पटेल ने मार्श का कैच पकड़ा था। पिछले वर्ल्ड कप में वन हैंडेड कोई नहीं भूला। सिद्धू ने कहा कि, वर्ल्ड कप में सबसे पहला वर्ल्ड कप कपिल देव साहब ने विविन रिचर्ड को आउट करके वैसे ही भागते हुए उल्टा भाग के आउट करके वो मैच पलट दिया था। सूर्य कुमार यादव ने भी वही किया था।

टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंची टीम इंडिया, सात रन से हराकर भारत ने बनाया फाइनल में स्थान

इंग्लैंड पर भारत की रोमांचक जीत

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

ICC Men's T20 World Cup 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले में India national cricket team ने England national cricket team को सात रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय गृह मंत्री Amit Shah ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ियों की मेहनत, जज्बा और शानदार खेल काबिले-तारीफ है। मुंबई के Wankhede Stadium में खेले गए इस सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट के नुकसान पर 253 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम की ओर से Sanju

Samson ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 89 रन की तूफानी पारी खेली। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी तेजी से रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूत किया। भारत की ओर से Hardik Pandya ने दो विकेट लिए, जबकि Arshdeep Singh, Jasprit Bumrah, Varun Chakravarthy और Axar Patel को एक-एक सफलता मिली। अब भारतीय टीम का सामना 8 मार्च को अहमदाबाद के Narendra Modi Stadium में होने वाले फाइनल में New Zealand national cricket team से होगा। टीम इंडिया इस मुकाबले में जीत दर्ज कर लगातार दूसरा टी20 विश्व कप खिताब अपने नाम करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

चौथी बार फाइनल खेलेगा भारत

भारतीय टीम टी20 विश्व कप इतिहास में चौथी बार फाइनल मुकाबला खेलेगी। इससे पहले भारत ICC Men's T20 World Cup 2007, ICC Men's T20 World Cup 2014 और ICC Men's T20 World Cup 2024 के फाइनल में पहुंच चुका है। वहीं इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें भी तीन-तीन बार इस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले खेल चुकी हैं।

इंग्लैंड की कड़ी टक्कर, लेकिन जीत भारत के नाम

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने भी जोरदार मुकाबला किया। इंग्लैंड के बल्लेबाज Jacob Bethell ने बेहतरीन शतक लगाते हुए 105 रन बनाए और टीम को जीत के करीब पहुंचाया। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने अहम मौकों पर विकेट लेकर मैच पर पकड़ बनाए रखी। निर्धारित 20 ओवर में इंग्लैंड की टीम सात विकेट पर 246 रन ही बना सकी और भारत ने सात रन से यह मुकाबला अपने नाम कर लिया।

> इस जीत के साथ ही भारत ने लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। इससे पहले पाकिस्तान 2007 और 2009 में तथा श्रीलंका 2012 और 2014 में लगातार दो बार फाइनल में पहुंच चुके हैं। अब भारतीय टीम 2024 और 2026 में लगातार दो बार फाइनल खेलने वाली तीसरी टीम बन गई है।

मनोरंजन

आलोचना होने पर दी सफाई, कहा- जानबूझकर नहीं किया, गलती हुई

कृति को क्रिटिसाइज करने वाली रील यामी ने लाइक की

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम और कृति सेनन के बीच विवाद चर्चा सोशल मीडिया पर में बना हुआ है। यह तब शुरू हुआ जब यामी ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी रील लाइक कर दी, जिसमें कृति सेनन को मिले बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर यामी गौतम का विरोध हो रहा था। अब एक्ट्रेस ने इस मामले पर सफाई दी है। यामी ने कहा कि मेरा इरादा किसी को नीचा दिखाना नहीं था। वह रील जानबूझकर लाइक नहीं की गई थी।

> यामी ने उन लोगों को भी जवाब दिया जो इसे पब्लिसिटी स्टंट बता रहे थे। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी लाइफ में कभी भी घटिया पीआर के हथकंडे नहीं अपनाए हैं। मैंने हमेशा अपने काम पर फोकस किया है। आज की क्लिकबेट दुनिया में गॉसिप बनाना आसान है, लेकिन मेरी रेप्यूटेशन इससे कहीं बेहतर है।

पोस्ट लाइक से शुरू हुआ विवाद

हाल ही में जी सिने अवॉर्ड्स में कृति सेनन को फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वहीं, फिल्म 'हक' में शाजिया बानो के किरदार के बावजूद यामी गौतम को कोई अवॉर्ड नहीं मिला।

यामी की सफाई, गलती से हुआ क्लिक

विवाद बढ़ता देख यामी गौतम ने अपने X (ट्विटर) अकाउंट पर एक लंबा पोस्ट लिखकर सफाई दी। यामी ने लिखा, 'मुझे पता चला कि मैंने एक ऐसी रील को लाइक किया है जो दूसरे एक्टर के प्रति अपमानजनक है। हमें रोज कई चीजों में टैग किया जाता है, यह रील भी उसी तरह सामने आई थी।

शादी के रिसेप्शन में साथ पहुंचे विजय और त्रिशा

एक्टर की पत्नी संगीता की तलाक की याचिका के बाद दोनों पहली बार साथ नजर आए

मुंबई, एजेंसी

तमिल एक्टर-पॉलिटि-शियन थलापति विजय गुरुवार को चेन्नई में एक शादी के रिसेप्शन में एक्ट्रेस त्रिशा के साथ नजर आए। यह रिसेप्शन एंटरप्रेन्योर और फिल्म प्रोड्यूसर कल्पना एस सुरेश और मीनाक्षी सुरेश के बेटे की शादी का था। बता दें कि हाल ही में विजय की पत्नी संगीता ने तलाक की अर्जी दायर

की है, जिसके बाद विजय और त्रिशा की यह पहली पब्लिक अपीयरेंस है। रिसेप्शन में विजय और त्रिशा को वेन्यू पर एक साथ आते हुए देखा गया। दोनों ने बाद में नए शादीशुदा जोड़े के साथ पोज भी दिए। सेरेमनी खत्म होने के बाद दोनों को एक साथ वेन्यू से निकलते हुए भी देखा गया। विजय ने गोल्ड कलर की सिल्क शर्ट के साथ ट्रेडिशनल वेष्टि पहनी थी। वहीं त्रिशा सफेद-गोल्ड रंग की प्योर सिल्क साड़ी में नजर आईं, जिसके बॉर्डर पर लाल रंग का काम था। उन्होंने साड़ी को स्लीवलेस रेड ब्लाउज के साथ पहना और ग्रीन एमरल्ड स्टेटमेंट नेकलेस से अपना लुक पूरा किया। विजय और त्रिशा घिल्ली, थिरुपाची, आथी, कुरुवी और लियो जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। विजय और त्रिशा घिल्ली, थिरुपाची, आथी, कुरुवी और लियो जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

रैपर बादशाह को महिला आयोग ने किया तलब

हरियाणवी सॉन्ग टटीरी में लड़कियों को स्कूल बैग फेंकते दिखाया

पंचकूला, एजेंसी

बॉलीवुड रैपर-सिंगर बादशाह हरियाणवी फोक सॉन्ग 'टटीरी' को लेकर विवाद में फंस गए हैं। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने सिंगर को समन जारी किया है। जिसमें पक्ष रखने के लिए 13 मार्च को आयोग के समक्ष पेश होने को कहा है। पानीपत की नारी तू नारायणी संस्था की अध्यक्ष सविता आर्य और शिव आरती फाउंडेशन के प्रमुख शिव कुमार की शिकायत पर महिला आयोग ने यह नोटिस जारी किया है। इसके अलावा रोहतक के एडवोकेट राजनारायण पंघाल ने भी राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को शिकायत भेजी है। शिकायत में बादशाह के रैप की लाइन 'आया बादशाह डोली चढ़ाने, इन सबकी घोड़ी बनाने' पर आपत्ति उठाई है। उन्होंने कहा

कि इस गाने में गंदी शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही स्कूल ड्रेस में नाबालिग बच्चियों को स्कूल बैग फेंकते हुए दिखाया गया। यह सॉन्ग 1 मार्च को रिलीज हुआ था। इस गाने में कैथल की रहने वाली बॉक्सर सिमरन जागलान की भी आवाज है। वह हरियाणवी सिंगर कर्मबीर फौजी की बेटी हैं। टटीरी गाने को अभी तक यूट्यूब पर 2 मिलियन से ज्यादा लोग सुन चुके हैं।

रणवीर सिंह का डबल रोल, पांच भाषाओं में 19 मार्च को रिलीज होगी फिल्म

'धुरंधर: द रिवेंज' का ट्रेलर आज होगा रिलीज

मुंबई, एजेंसी

लंबे समय से चल रही अटकलों और फैंस की बढ़ती उत्सुकता के बीच Jio Studios और B62 Studios ने अभिनेता Ranveer Singh की बहुप्रतीक्षित फिल्म Dhurandhar: The Revenge के ट्रेलर रिलीज की घोषणा कर दी है। मेकर्स के अनुसार फिल्म का ट्रेलर शनिवार सुबह 11:01 बजे जारी किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी रिलीज किया गया है। फिल्म की पहली किस्त को भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। खासतौर पर नॉर्थ अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया

में इसे जबरदस्त दर्शक मिले थे। यही वजह है कि ट्रेड एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि इसका सीक्वल भी वैश्विक स्तर पर अच्छी कमाई कर सकता है। शुरुआती अंतरराष्ट्रीय एडवांस ट्रेंड्स भी फिल्म के पक्ष में माने जा रहे हैं।

पांच भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

Aditya Dhar द्वारा लिखित, निर्देशित और प्रोड्यूस की गई इस फिल्म का निर्माण Jyoti Deshpande और Lokesh Dhar ने किया है। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ समेत पांच भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। Dhurandhar: The Revenge 19 मार्च 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज का समय भी खास माना जा रहा है, क्योंकि यह गुड़ी पड़वा और उगादी के मौके पर तथा ईद से ठीक पहले दर्शकों के बीच आएगी।

डबल रोल में नजर आएंगे रणवीर सिंह

यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन स्पाई-एक्शन एंटरटेनर बताई जा रही है, जिसमें रणवीर सिंह दो अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे। मेकर्स के मुताबिक इस बार कहानी पहले से ज्यादा व्यक्तिगत संघर्ष और तीव्र टकराव पर आधारित होगी।

> फिल्म की कहानी उन गुमनाम नायकों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी पहचान अक्सर पर्दे के पीछे ही रह जाती है, लेकिन जिनकी वजह से बड़े-बड़े मिशन सफल हो पाते हैं। इसी पृष्ठभूमि में इस बार संघर्ष को और गहरा तथा भावनात्मक बनाने की कोशिश की गई है।

सिलेक्शन में अमेरिका का रोल जरूरी, खामेनेई का बेटा मंजूर नहीं

ईरान मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुन : ट्रम्प

भागीदारी

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी। एक्सिओस को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर अमेरिका को शामिल किए बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो इसका कोई मतलब नहीं होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नया नेता भी पुराने नेतृत्व की नीतियां जारी रखता है तो अमेरिका और ईरान के बीच आने वाले वर्षों में फिर टकराव हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ऐसा नेता चाहता है जो ईरान में शांति और स्थिरता ला सके। अमेरिकी प्रसारक CBS ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि अमेरिका कुवैत में स्थित अपने दूतावास को खाली करा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले ईरानी हमले में निशाना बनाए जाने के बाद दूतावास को बंद कर दिया गया था। यह प्रस्ताव ट्रंप के ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान को सीमित करने के उद्देश्य से लाया गया था। अमेरिकी संविधान के अनुसार युद्ध की घोषणा करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास होता है, लेकिन ट्रंप ने बिना कांग्रेस की औपचारिक मंजूरी के सैन्य कार्रवाई शुरू की है हिज्बुल्लाह ने कहा है कि उसने उत्तरी इजरायल के कफर युवाल इलाके में इजरायली सैनिकों के एक जमावड़े को निशाना बनाया।

> *बताया गया है कि रियाद में अमेरिकी दूतावास और दुबई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को भी हमलों का निशाना बनाया गया है। हालांकि इन घटनाओं में किसी नुकसान या हताहतों के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि एयर डिफेंस सिस्टम ने इन मिसाइलों को सफलतापूर्वक मार गिराया।*

भारत ने खामेनेई की मौत पर शोक जताया

भारत ने पहली बार ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया है। भारत सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने नई दिल्ली स्थित ईरान दूतावास जाकर खामेनेई के निधन पर संवेदना जताई।उन्होंने कंडोलेंस बुक (शोक पुस्तिका) पर हस्ताक्षर कर श्रद्धांजलि दी। न्यूजीलैंड में ईरानी दूतावास ने कार्टून शेयर किया। यह ईरान में स्कूल पर हमले से जुड़ा था, जिसमें 170 छात्राओं की मौत हो गई थी।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान पर हमले रोकने वाला प्रस्ताव खारिज किया

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर किए जा रहे हमलों को रोकने से जुड़ा वार पावर्स प्रस्ताव मामूली अंतर से खारिज कर दिया। प्रस्ताव के खिलाफ 219 वोट पड़े, जबकि 212 सांसदों ने इसके पक्ष में मतदान किया। यह लगातार दूसरा दिन है जब कांग्रेस में ऐसा प्रस्ताव असफल हुआ है। इससे एक दिन पहले सीनेट ने भी इसी तरह के प्रस्ताव को पार्टी लाइन पर खारिज कर दिया था।

सऊदी अरब ने ईरान की तीन बैलिस्टिक मिसाइलें मार गिराईं

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार तड़के प्रिंस सुल्तान एयर बेस को निशाना बनाकर दागी गई तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सोमवार से अब तक इजरायली हमलों में 123 लोगों की मौत हो चुकी है और 683 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले अपडेट में मृतकों की संख्या 100 के करीब बताई गई थी, जो अब बढ़कर 123 हो गई है। इजरायल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष के बीच हवाई हमलों में तेजी आई है, जिससे नागरिक हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

ईरान के हमलों में मध्य इजरायल में कई इमारतें क्षतिग्रस्त

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की ओर से किए गए नए हमलों के बीच मध्य इजरायल में कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इजरायली अखबार Haaretz ने आपातकालीन सेवाओं के हवाले से बताया कि मिसाइल हमलों की ताजा लहर के दौरान केंद्रीय इजरायल के विभिन्न इलाकों में कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं।

वहीं AFP के पत्रकारों ने बताया कि तेल अवीव में दो चरणों में एक साथ कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। रिपोर्ट के अनुसार, तेल अवीव, मध्य इजरायल और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में सायरन लगातार बजते रहे, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।

नीरव मोदी के दोनों भाई निहाल-नीशाल को कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के 23,780 करोड़ के घोटाले में अब मुख्य आरोपी नीरव मोदी के परिवार की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट ने नीरव मोदी के दो भाइयों, नीशाल और निहाल मोदी को नोटिस जारी किया है। अदालत ने उनसे पूछा है कि उन्हें 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी' (FEO) क्यों न घोषित किया जाए? प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कोर्ट में अर्जी लगाकर दोनों भाइयों को भगोड़ा घोषित करने की मांग की थी। विशेष जज एवी गुजराती ने बुधवार को नोटिस जारी किए।

कोर्ट ने न सिर्फ भाइयों को, बल्कि नीरव मोदी की कंपनी के सीनियर अधिकारियों- आदित्य नानावती और संदीप मिस्त्री को भी इसी तरह के नोटिस भेजे हैं। इन सभी को 7 मई तक अपना जवाब देना होगा। यह देश के बैंकिंग इतिहास के सबसे बड़े घोटालों में से एक है।

होर्मुज से 24 घंटे में सिर्फ 2 जहाज निकले

रक्षा मंत्री बोले- भारत की तेल-गैस सप्लाई पर सीधा असर

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडल ईस्ट में जारी युद्ध के कारण दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री लाइफलाइन 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो गई है। जॉइंट मैरिटाइम इन्फॉर्मेशन सेंटर (JMIC) की 6 मार्च की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों में इस रास्ते से सिर्फ दो कॉमर्शियल जहाज गुजरे। ये दोनों ही मालवाहक जहाज थे। कोई तेल टैंकर इस दौरान वहां से नहीं गुजरा। आमतौर पर इस रास्ते से हर दिन दर्जनों विशाल तेल टैंकर गुजरते हैं। यह स्थिति भारत सहित ग्लोबल अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है क्योंकि दुनिया का 20% कच्चा तेल इसी रास्ते से सप्लाई होता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ट्रैफिक कम होने की सबसे बड़ी वजह इस इलाके में कॉमर्शियल जहाजों पर लगातार हो रहे हमले हैं।

इसके चलते शिप ऑपरेटर्स ने सावधानी बरतते हुए अपने जहाजों को रोक दिया है। JMIC ने इस पूरे क्षेत्र के लिए 'क्रिटिकल' सिक्योरिटी अलर्ट जारी कर रखा है। होर्मुज स्ट्रेट करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। इसके दोनों मुहाने करीब 50 किमी चौड़े हैं, जबकि सबसे संकरा हिस्सा करीब 33 किमी चौड़ा है। इसमें आने-जाने वाले समुद्री ट्रैफिक के लिए 3 किमी चौड़ी शिपिंग लेन तय है।

खालिस्तान के खिलाफ बोलने पर हुई नैन्सी ग्रेवाल की हत्या

मां बोली- 20 बार चाकू मारे, जीभ भी काट दी, सुक्खा-हरिके ने जिम्मा लिया

जालंधर, एजेंसी

पंजाबी इन्फ्लुएंसर, सिंगर और नर्स नैन्सी ग्रेवाल की हत्या खालिस्तान के खिलाफ बोलने पर की गई थी। गैंगस्टर आकाश हरिके ने नैन्सी की हत्या का जिम्मा लिया है। एक पोस्ट कर कहा कि वो धर्म के खिलाफ बोलती थी, इसलिए उसे निपटा दिया। हालांकि, तमसा संकेत पोस्ट में किए दावे की पुष्टि नहीं करता। नैन्सी की मंगलवार (3 मार्च) रात को कनाडा के विंडसर में घर में चाकू मारकर हत्या की गई थी। नैन्सी की मां छिंदरपाल कौर ने कहा कि बेटी किसी घर में नर्सिंग केयर करने गई थी। जैसे ही वह बाहर निकली तो उस पर 2 लोगों ने हमला कर दिया। उसके पेट में 20 बार चाकू मारे गए। कनाडा की पुलिस से हुई बातचीत में पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने नैंसी की

जुबान (जीभ) भी काट दी थी। नैन्सी 2018 में कनाडा जाने के साथ ही विवादों में रही। हर किसी पर विवादित टिप्पणियां नैन्सी की मौत का कारण बन गईं। खासकर कनाडा के गुरुद्वारों में खालिस्थानियों के कब्जे के वीडियो डालने से नैन्सी कट्टरपंथियों के निशाने पर आ गई। नैंसी की मां ने बताया कि खालिस्तानी चाहते थे कि वो उनके साथ काम करे। विवादित टिप्पणियों पर माफी मांगे। लेकिन नैन्सी ने ऐसा करने से मना कर दिया था। मां ने कहा कि जंग न होती तो शायद मैं वहां होती और बेटी जिंदा होती। नैन्सी ने अपनी लास्ट पोस्ट में पंजाब के डेरा ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों पर विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि बाबा का तो उसे नाम भी लेना नहीं आता। बाबा ढिल्लों शातिर खिलाड़ी हैं। डेरा प्रमुख राजनेताओं को शरण देते हैं और वोटों की सौदेबाजी करते हैं। नैन्सी ने बिक्रम मजीठिया पर भी पंजाब के युवाओं की जवानी बर्बाद करने का आरोप लगाया था। श्री अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज की चूड़ेदार पायजामा को लेकर टिप्पणी की। निज्जर की मौत के बाद नैन्सी ने खालिस्तानियों पर हमले तेज कर दिए। नैन्सी ने निज्जर को आतंकी कहा और बोला कि उसे ये कहने में कोई गुरेज नहीं।

फास्ट न्यूज

ट्रम्प के टैरिफ पर इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट का फैसला

वॉशिंगटन। अमेरिका की इंटरनेशनल ट्रेड कोर्ट ने ट्रम्प प्रशासन को आदेश दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ का पैसा कंपनियों को लौटाया जाए। टैरिफ से दिसंबर तक 10.79 लाख करोड़ रुपए वसूले गए थे और कुल रिफंड 14.5 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। जज रिचर्ड ईटन ने लंबित मामलों में टैरिफ हटाकर दोबारा कैलकुलेशन करने को कहा।

अनिल-अंबानी की रिलायंस पावर के ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली। ED ने आज यानी 6 मार्च को उद्योगपति अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस पावर से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मुंबई और हैदराबाद में 10 से 12 लोकेशन्स पर एक साथ की गई। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों को लेकर ED की 15 टीमों ने ये छापेमारी की है। द हिंदू और इंडियन एक्सप्रेस में छपी रिपोर्ट के मुताबिक सुबह होने से पहले ही ED की टीम इन ठिकानों पर पहुंच गई थी। टीम ने संबंधित व्यक्तियों और कंपनियों के परिसरों की तलाशी ली।

नेपाल में वोटिंग खत्म, 60% वोटिंग हुई

काठमांडू। नेपाल में आम चुनाव के लिए सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक वोटिंग हुई। रात 12 बजे से काउंटिंग शुरू होगी। चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 60% वोटिंग हुई। दूरदराज इलाकों में अभी भी वोटिंग हो रही है। अंतिम आंकड़ा जल्द जारी किया जाएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने काठमांडू के धापासी स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला था। उन्होंने कहा कि अब उनका रोल पूरा हो चुका है।

सेंसेक्स 1097 अंक गिरकर 78,919 पर आया

निफ्टी में 315 अंकों की गिरावट, बैंक, रियल्टी और ऑटो शेयरों में बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 6 मार्च को गिरावट रही। सेंसेक्स 1097 अंक (1.37%) गिरकर 78,919 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 315 अंक (1.27%) की गिरावट रही। ये 24,450 पर आ गया। आज के कारोबार में बैंक, रियल्टी और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक उनके शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और इसे सोने-चांदी जैसी सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 436 अंक या 1.72% चढ़कर 25,757 पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 15.63 अंक या 0.38% ऊपर 4,124

पर आ गया। शेयर बाजार में कल यानी 5 मार्च को बढ़त रही। सेंसेक्स 900 अंक (1.14%) की तेजी के साथ 80,016 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में कल यानी 5 मार्च को बढ़त रही। सेंसेक्स 900 अंक (1.14%) की तेजी के साथ 80,016 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 285 अंक (1.17%) की बढ़त रही। ये 24,766 के स्तर पर बंद हुआ।ऑटो, मेटल, फार्मा और एनर्जी शेयर्स में बढ़त रही। निफ्टी में भी 285 अंक (1.17%) की बढ़त रही। ये 24,766 के स्तर पर बंद हुआ।ऑटो, मेटल, फार्मा और एनर्जी शेयर्स में बढ़त रही।

सरकार का तेल कंपनियों को प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश, ईरान-इजराइल जंग बढ़ी तो किल्लत होगी

भारत में रसोई गैस इमरजेंसी लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान-इजराइल जंग अगर बढ़ी तो भारत में रसोई गैस की किल्लत भी बढ़ सकती है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने इमरजेंसी पावर का यूज करते हुए देश की सभी ऑयल रिफाइनरी कंपनियों को एलपीजी का उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन में रुकावट की वजह से गैस की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने गुरुवार देर रात आदेश जारी किया। इस आदेश में कहा गया है कि अब रिफाइनरी कंपनियां अपने पास मौजूद प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए करेंगी। यानी इन गैसों का उपयोग किसी और काम में नहीं किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने कहा कि हमारे पास ऊर्जा के इतने सोर्स हैं।

कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और ट्रेड सोर्सेज का कहना है कि प्रोपेन और ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल के बजाय LPG बनाने में इस्तेमाल करने से कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ेगा। दरअसल, पॉलीप्रोपाइलीन और अल्काइलेट्स जैसे पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स बाजार में LPG के मुकाबले बेहतर कीमत पर बिकते हैं। ऐसे में सरकार के इस आदेश से पेट्रोकेमिकल कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ सकता है।

कतर में गैस उत्पादन बंद, भारत में 40% सप्लाई घटी

विदेश से आने वाली LNG को गैस में बदलकर ही CNG और PNG सप्लाई की जाती है। इसकी सप्लाई रुकने से सिटी गैस कंपनियों (CGD) ने चेतावनी दी है कि अगर हालात जल्द नहीं सुधरे, तो CNG और PNG के दाम बढ़ सकते हैं। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का लगभग बंद होना है। यह एक संकरा समुद्री रास्ता है जिससे होकर कतर और यूएई जैसे देश अपना तेल और गैस निर्यात करते हैं।

> *मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिडिल-ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण भारत में सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) और पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। ईरान के ड्रोन हमले के बाद भारत को गैस सप्लाई करने वाला सबसे बड़ा देश कतर अपने लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) प्लांट का प्रोडक्शन रोक चुका है। इससे भारत आने वाले जहाजों की आवाजाही रुक गई है और घरेलू बाजार में गैस की सप्लाई में 40% तक की बड़ी कटौती की गई है। भारत अपनी जरूरत की 40% एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) यानी करीब 2.7 करोड़ टन सालाना कतर से ही आयात करता है।*

रिलायंस के एक्सपोर्ट और पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन पर असर

सरकार के इस फैसले का सीधा असर प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों, खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) पर पड़ सकता है। प्रोपेन और ब्यूटेन का डायवर्जन होने से अल्काइलेट्स के प्रोडक्शन में कमी आएगी, जिसका इस्तेमाल पेट्रोल की ग्रेडिंग सुधारने में किया जाता है। पिछले साल रिलायंस ने हर महीने एवरेज चार अल्काइलेट्स कार्गो एक्सपोर्ट किए थे। इसके अलावा सरकार ने रिफाइनर्स को यह भी साफ कर दिया है कि वे फिलहाल पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन के लिए इन गैसों का इस्तेमाल न करें।

गिरावट : चांदी ₹26,000 गिरकर ₹2.63 लाख पर आई, 36 दिन में ₹1.23 लाख सस्ती हुई

सोना 3 दिन में 8,000 सस्ता, ₹1.59 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सर्राफा बाजार में शुक्रवार 6 मार्च को सोना और चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। India Bullion and Jewellers Association (आईबीजेए) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 24 कैरेट सोना 1,177 रुपये घटकर 10 ग्राम के लिए 1,59,409 रुपये पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को सोने की कीमत 1,60,586 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। पिछले तीन दिनों में सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। बाजार आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में सोना करीब 8,000 रुपये तक सस्ता हो चुका है। कीमतों में आई इस गिरावट से जहां निवेशकों के बीच सतर्कता बढ़ी है, वहीं आम खरीदारों के लिए यह खरीदारी का बेहतर मौका माना

जा रहा है। सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार को चांदी 902 रुपये सस्ती होकर 2,63,210 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले इसकी कीमत 2,64,212 रुपये प्रति किलो थी। पिछले तीन दिनों में चांदी की कीमतों में लगभग 26,000 रुपये तक की कमी दर्ज की गई है, जो सर्राफा बाजार में एक बड़ी गिरावट मानी जा रही है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सोना और चांदी की कीमतों में आई इस गिरावट के पीछे प्रॉफिट बुकिंग प्रमुख कारण है। पिछले कुछ समय में कीमती धातुओं के दामों में लगातार तेजी देखने को मिली थी। ऐसे में निवेशकों ने मुनाफा कमाने के लिए बिकवाली शुरू कर दी, जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ गया। सर्राफा बाजार के जानकारों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय बाजार पर भी पड़ता है। डॉलर की मजबूती, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां और निवेशकों की रणनीति भी इन धातुओं की कीमतों को प्रभावित करती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में सोना और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। वैश्विक बाजार के रुख, डॉलर इंडेक्स और निवेशकों की गतिविधियों के आधार पर कीमतों में बदलाव देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को बाजार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही निवेश संबंधी फैसले लेने की सलाह दी जा रही है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

ऑल टाइम हाई से चांदी 1.23 लाख रुपए सस्ती

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2026 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 17,000 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2026 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 36 दिन में चांदी 1.23 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96